



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 9, 2012/माघ 20, 1933  
No. 32] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 9, 2012/MAGHA 20, 1933

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2012

### अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीनी ताइपेई और अमरीका के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेनोल के आयात के बारे में मध्यावधि समीक्षा जांच—अंतिम जांच परिणाम।

सं. 15/31/2010-डीजीएडी.—पामले की पृष्ठभूमि

समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली या नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने चीनी ताइपेई और अमरीका (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेनोल (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आरोपित पाटन के बारे में 10 फरवरी, 2011 को मध्यावधि समीक्षा पाटनरोधी जांच शुरू की। चीनी ताइपेई, अमरीका और ताइवान के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेनोल के आयातों के खिलाफ 11 जनवरी, 2007 को मूल जांच शुरू की गई थी। प्राधिकारी के दिनांक 29 अगस्त, 2007 के अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना के आधार पर 19 सितम्बर, 2007 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 105/2007-सी.शु. के तहत तीनों देशों से फेनोल के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 7 जनवरी, 2008 की अधिसूचना सं. 14/5/2006-डीजीएडी के तहत अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और राजस्व विभाग ने 3 मार्च, 2008 की अधिसूचना सं. 30/2008-सी.शु. के तहत उपर्युक्त देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक शुल्क लागू किया था।

2. और यतः पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू रखने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करनी अपेक्षित होती है और यदि प्राधिकारी प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे शुल्क को निरंतर लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है तो प्राधिकारी उसे समाप्त करने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश कर सकते हैं । विधिक उपबंधों के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी को संबद्ध वस्तु के निर्यातकों में से एक निर्यातक अर्थात् मै. एफ सी, चीनी ताइपेई और आयातक मै. सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स (आई) लि. से चीनी ताइपेई तथा अमरीका के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए एक आवेदन प्राप्त हुआ और उन्होंने प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने/उसमें संशोधन किए जाने का अनुरोध किया । उपर्युक्त निर्यातक और आयातक ने प्रमुख मापदंडों अर्थात् मूल कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि, चीनी ताइपेई तथा अमरीका से भारत को संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत में वृद्धि और भारत में संबद्ध वस्तु की घरेलू कीमत में अत्यधिक वृद्धि एवं चीनी ताइपेई तथा अमरीका में संबद्ध वस्तु की घरेलू कीमत में भारी वृद्धि के कारण प्राधिकारी द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा किए जाने की जरूरत है । यह भी तर्क दिया गया है कि संबद्ध निर्यातक द्वारा चीनी ताइपेई और अमरीका से पाटन अब विद्यमान नहीं है और पाटन मार्जिन तथा विद्यमान परिणामी शुल्क में अधोगामी संशोधन की जरूरत है ।

3. प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर परिस्थितियों में इस परिवर्तन पर प्राधिकारी ने मध्यावधि समीक्षा शुरू करने के लिए उचित विचार किया था । दिनांक 7.1.2008 की अधिसूचना सं. 14/5/2006-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम की समीक्षा करने का निर्णय लेने के बाद प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लगाए जाने की जरूरत की समीक्षा करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार 10.2.2011 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की सं. 15/1/2011-डी जी ए डी के तहत जांच की शुरूआत की ।

#### जांच में अपनाई गई प्रक्रिया

4. वर्तमान जांच में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- i) प्राधिकारी को चीनी ताइपेई और अमरीका से फेनोल के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने के लिए मै. एफ सी पी सी, चीनी ताइपेई और संबद्ध वस्तु के आयातक मै. सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स (आई) लि. से एक आवेदन प्राप्त हुआ ।
- ii) स्वयं को इस बात से संतुष्ट करने के बाद कि याचिकाकर्ता ने मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त प्रथमदृष्टया सूचना प्रस्तुत की है । प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत 10/2/2011 की अधिसूचना सं. 15/2/2011 के तहत चीनी ताइपेई और अमरीका के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की । वर्तमान समीक्षा के दायरे में मूल जांच के सभी पहलू शामिल हैं ।

iii) नियम 6 (2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में नई दिल्ली स्थित अमरीकी सरकार के दूतावास तथा आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, चीनी ताइपेई को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने देश के सभी निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें ।

iv) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ निर्यातक प्रश्नावली संगत सूचना मांगने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों को भेजी ।

v) निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने दायर किया है :

- क. मै. फार्मसा कैमिकल एंड फाइबर कार्पोरेशन (एफ सी एफ सी), चीनी ताइपेई-उत्पादक तथा निर्यातक
- ख. मै. ताइवान प्रोसेपरेटी कैमिकल कार्पोरेशन (टी पी सी सी)- उत्पादक तथा निर्यातक
- ग. मै. चांग चुन प्लास्टिक्स कं. लि. (सी सी पी), ताइवान- उत्पादक तथा निर्यातक
- घ. मै. कोमर ग्रुप एएफ, स्विट्जरलैंड (निर्यातक);
- ङ. मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक, सिंगापुर)- निर्यातक;
- च. मै. मित्सुई एंड कंपनी पी टी ई., जापान-निर्यातक

vi) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों, उपभोक्ताओं, औद्योगिक प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावलियां भेजी गई थीं :

- सी जे. शाह एंड कंपनी, मुंबई
- हरेश कुमार एंड कंपनी, मुंबई
- पी सी एल इंडस्ट्रीज , नई दिल्ली
- कांतिलाल मनीलाल एंड कंपनी मुंबई
- सोनकमल इंटरप्राइजेज मुंबई
- खेतान ब्रदर्स मुंबई
- शुभम डाइज एंड कैमिकल लिमिटेड, दिल्ली
- एकोन इंटरप्राइजेज अहमदाबाद
- नड्कानावेयर कैमिकल्स लिमिटेड, मुंबई
- पारस डाइज एंड कैमिकल्स नई दिल्ली
- टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, गुजरात
- यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड, मुंबई

- रेजिन्स एंड प्लास्टिक लि. मुंबई
- कैलाश पॉलीमर नई दिल्ली
- सेंट्रम मेटेलिक्स प्रा. लि., मुंबई
- वन्डर लेमिनेट्स प्रा. लि., पं. बंगाल,
- मेघदेव इंटरप्राइजेज अहमदाबाद
- सतगुरु इंटरनेशनल, नई दिल्ली
- हाई पॉलीमर लेब्स लि., नई दिल्ली
- रेनबो कलर्स एंड कैमिकल, गुजरात
- ब्लैच मार्केटिंग प्रा. लि., गुजरात
- कर्मेन इंटरनेशनल (प्रा.) लिमिटेड, तमில்நாடு
- कृष्णा एंटीयोक्सीडेंट्स प्रा. लिमिटेड, मुंबई
- एनजीपी इंडस्ट्रीज लि., नई दिल्ली
- फार्मासिन फार्मासियुटीकल गुजरात लिमिटेड, बड़ौदा
- इंडिया ग्लाइकोल्स लि., नई दिल्ली
- सिंह प्लास्टिसाइजर्स एंड रेजिन्स (इंडिया) प्रा. लि., नई दिल्ली
- नेशनल प्लाइवुड इंडस्ट्रीज लि., पश्चिम बंगाल

vii) उपर्युक्त में से किसी ने भी निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से अयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया। तथापि, निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों से उत्तर प्राप्त हुए थे:

- मैरीनो पैनल प्रोडक्ट्स लि. ;
- ग्रीन प्लाई इंडस्ट्रीज लि.,
- एगिजम- कार्प इंडिया प्रा. लि.
- ए आर सी एल आर्गेनिक्स लि.
- मै. अग्रवाल कैमिकल्स,
- सैन्चुरी प्लाईबोर्ड्स (इंडिया) लि.,

viii) यह जांच 1 जनवरी, 2010 से 31 दिसंबर, 2010 तक की जांच अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति जांच वर्ष 2007–08, 2008–09, 2009–10 की अवधि और जांच अवधि के लिए की गई थी। क्षति एवं पाटन की

संभावना हेतु उत्पादकों और निर्यातकों तथा घरेलू उद्योग से जनवरी-जून, 2011 हेतु जांचोत्तर सूचना का भी विश्लेषण किया गया था ।

ix) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कोलकाता से जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती 3 वर्षों और जांच अवधि के लिए भी भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों का ब्यौरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था । वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कोलकाता ने जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती 3 वर्षों के लिए विभिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में सौदेवार आंकड़े उपलब्ध कराए हैं । यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में आई बी आई एस (गौण स्रोत) के आधार पर आंकड़े प्रस्तुत किए हैं । इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात के ब्यौरे भी प्रस्तुत किए हैं । यह भी नोट किया जाता है कि आवेदकों ने ताईवान सीमाशुल्क द्वारा उनकी वैबसाइट पर सूचित तथा यू एस आई टी सी से प्राप्त संबद्ध देशों से आयात के आंकड़े भी प्रस्तुत किए हैं । प्राधिकारी ने उचित निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए निर्यातकों और अन्य स्रोतों द्वारा सूचित आयात आंकड़ों की प्रति जांच की है ।

x) उपर्युक्त नियम 6 (3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन का अगोपनीय रूपांतरण ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को भी उपलब्ध कराई । अगोपनीय आवेदन की प्रति अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी ।

xi) प्राधिकारी ने नियम 6 (6) के अनुसार संगत सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने हेतु 18 अगस्त, 2011 को मौखिक सुनवाई आयोजित की । जो पक्षकार मौखिक सुनवाई में उपस्थित हुए थे उनसे मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना के लिखित अनुरोध दायर करने के लिए कहा गया था । हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों/सूचना पर उत्तर दायर करने की अनुमति दी गई थी । प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर समुचित विचार किया है ।

xii) जांच के दौरान प्राधिकारी ने प्रस्तुत सूचना की सत्यता और यथातथ्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया ।

xiii) प्राधिकारी ने संगत समझी गई सीमा और आवश्यकता तक घरेलू उद्योग और उत्पादकों/निर्यातकों का मौके पर सत्यापन किया । घरेलू उद्योग से क्षति के बारे में अतिरिक्त/पूरक ब्यौरे मांगे गए थे जो प्राप्त हो गा थे ।

xiv) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (7) के अनुसार, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

xv) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के अनुसार क्षति कीमत के निर्धारण हेतु लागत जांच की गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा और घरेलू उद्योग को शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में कोई क्षति नहीं होगी ।

xvi) जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपना विश्लेषण दर्ज किया है ।

xvii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं ।

xviii) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

प्रकटन विवरण पर निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने उत्तर प्रस्तुत किया है :

प्रकटन विवरण जारी होने के बाद उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर अंतिम जांच परिणाम के उचित शीर्षों में कार्रवाई की गई है ।

(xx) \*\*\*\* यह चिन्ह इस अंतिम जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का घोतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

### विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. मूल जांच की भाँति और वर्तमान समीक्षा आवेदन में भी विचाराधीन उत्पाद फेनोल है । फेनोल एक मूलभूत कार्बनिक रसायन है जो सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है ।

### घरेलू उद्योग के विचार

6. मूल जांच और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद फेनोल है। वर्तमान मध्यावधि समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही है जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांचों में माना है।

### आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

7. किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

8. प्राधिकारी नोट करते हैं मूल जांच की भाँति और वर्तमान समीक्षा आवेदन में भी विचाराधीन उत्पाद फेनोल है। फेनोल एक मूलभूत कार्बनिक रसायन है जो सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है तथापि आयात अध्याय 27 के अंतर्गत भी सूचित किए जाते हैं। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष सं. 2907.11 तथा 2707.60 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सी.शु. वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई मूल जांच के अनुसार उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :

“फेनोल एक मूलभूत कार्बनिक रसायन है जो सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह उत्पाद सी. शु. टैरिफ शीर्ष सं. 2907.11 के अंतर्गत वर्गीकरणीय है। उत्पाद का विपणन दो ग्रेडों क्रिस्टिलिंग तथा हाइड्रेटेड में किया जाता है। दोनों ग्रेड फेनोल के प्रवाह की विशेषताओं के आधार पर भिन्न-भिन्न हैं। उत्पाद का विपणन दो रूपों-खुले एवं डिब्बा बंद रूप में किया जाता है। खुली बिक्री सामान्यतः बल्क में होती है जबकि डिब्बा बंद परेषण अत्यंत छोटे कंटेनर भारों में किए जा सकते हैं। फेनोल का उपयोग फार्मलिड्हाइड रेजिनों, लेमिनेटों, प्लाइवुड, पार्टीकल बोर्डों, विस्फेनोल-ए अल्कायल फेनोल, भेषजों, डी फिनाइल ऑक्सीइड आदि में किया जाता है।”

9. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के बारे में किसी पक्षकार ने कोई टिप्पणी नहीं की है। वर्तमान जांच मध्यावधि समीक्षा जांच है। अतः वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र मूल जांच के समान ही रहता है। प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित फेनोल में कोई अंतर नहीं है।

पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अंतर्गत सामान्य वस्तु का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु से है जो विचाराधीन उत्पाद से हर प्रकार से समनुरूप और समान है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी

अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं। जांच के आधार पर यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और घरेलू बाजार में बेचा गया फेनोल और संबद्ध देशों से आयातित फेनोल भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, वस्तु की विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी (जिसे विश्व भर के अधिकांश उत्पादक अपनाते हैं), कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण के संबंध में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित फेनोल को संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जाता है।

### घरेलू उद्योग का आधार

10. घरेलू उद्योग के आधार के बारे में नियम 2(ख) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाठित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

11. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच चीनी टाइपेई के निर्यातकों में से एक निर्यातक अर्थात् मै. एफ सी एफ सी एवं सेंचुरी प्लाईवुड द्वारा दायर आवेदन के आधार पर शुरू की गई है। मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरूआत का उत्तर भारत में एक घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. एच ओ सी एल से प्राप्त हुआ है। यद्यपि, मै. एस आई ग्रुप ने समर्थन किया है तथापि, मै. एच ओ सी एल द्वारा वर्तमान समीक्षा का विरोध किया जा रहा है और उसने उत्पादन तथा क्षमता के बारे में सीमित सूचना प्रस्तुत की है, उनके द्वारा घरेलू उद्योग के प्रपत्र में और ढंग से कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया था। मै. एच ओ सी एल ने घरेलू उद्योग के लिए आवेदन प्रपत्र में और ढंग से लागत एवं क्षति सूचना प्रस्तुत की। इसके अलावा, उपलब्ध सूचना के अनुसार उसका उत्पादन भारत में कुल घरेलू उत्पादन का 55% बनता है। घरेलू उद्योग के आधार के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई मुद्दा नहीं उठाया है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मै. एच ओ सी एल को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, घरेलू उद्योग माना है।

## अन्य मुद्दे

### घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचार निम्नानुसार हैं:

- (क) मध्यावधि समीक्षा का क्षेत्र निर्णयिक समीक्षा के क्षेत्र से सर्वथा भिन्न है।
- (ख) चीनी टाइपेई और अमरीका से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क के प्रस्तावित समय पूर्व समापन का कोई औचित्य नहीं है। याचिकाकर्ता ने शुल्क समाप्त किए जाने की जरूरत की पुष्टि करने के लिए कोई सूचना प्रदान नहीं की है। याचिकाकर्ता के अनुरोध अपुष्टिकृत हैं और उनसे शुल्क की किसी वापसी में कोई परिवर्तन औचित्यपूर्ण नहीं बनता है, पाटनरोधी शुल्क के समय पूर्व समापन की बात ही छोड़ दीजिए।
- (ग) किसी मध्यावधि समीक्षा में संदर्भाधीन निर्यातक द्वारा "कोई पाटन न किया जाना" शुल्क में संशोधन के लिए पर्याप्त नहीं है।
- (घ) इस बात की जांच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क में संशोधन या उसे समाप्त किए जाने से निर्यातक द्वारा उत्पाद का पाटन किए जाने की संभावना है, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या निर्यातक अन्य देशों में वस्तु का पाटन कर रहा है।
- (ङ) इस बात को सिद्ध करने का भार याचिकाकर्ता पर होता है न कि घरेलू उद्योग पर कि क्या लागू पाटनरोधी शुल्क में संशोधन या उसके समापन की जरूरत है।
- (च) याचिकाकर्ता ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष दायर विभिन्न सूचनाओं के बारे में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।

### आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार (अन्य निर्यातक/आयातक/अंतःप्रयोक्ता)

13. उन्होंने अपने विचार निम्नानुसार व्यक्त किए हैं:

- (क) मूल जांच की तुलना में अपरिष्कृत तेल की विनिमय दर तथा कीमतों में परिवर्तन होने के कारण सामान्य मूल्य तथा मूल कच्ची सामग्री (नेपथा) की कीमत में वृद्धि हुई है।
- (ख) फेनोल की मांग और पूर्ति में असंतुलन के कारण फेनोल की निर्यात कीमत में वृद्धि कच्ची सामग्री की कीमत में हुई वृद्धि से अधिक हुई है।
- (ग) मै. एफ सी एफ सी, चीनी टाइपेई की निर्यात कीमत घरेलू बाजार में कीमत से काफी अधिक है।
- (घ) मांग और पूर्ति के बीच अंतर को पाटने के लिए आयात आवश्यक हैं।

- (ङ) अन्य स्रोतों से कोई औपचारिक अनुरोध न मिलने पर भी समीक्षा में केवल एक देश अर्थात् चीनी टाइपेई और अमरीका की बजाए वे सभी देश शामिल होने चाहिए जिनसे भारत में आयातित फेनोल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है। परिस्थितियों में हुए भारी परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए डी जी ए डी के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह संगत संविधि के अंतर्गत अपने दायित्वों के अनुरूप शक्तियों का प्रयोग करे।
- (च) समीक्षा में समूची मध्यवर्ती अवधि शामिल होनी चाहिए।
- (छ) शुल्क के स्वरूप का तुरंत पुनःमूल्यांकन किए जाने की जरूरत है क्योंकि शुल्क की मौजूदा निर्धारित विशिष्ट दर विचाराधीन उत्पाद के लिए किसी भी रूप में उचित नहीं है।
- (ज) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से सार्वजनिक हित का उल्लंघन होता है।
- (झ) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों को अत्यधिक गोपनीयता नहीं दी जाएगी। ऐसे सभी निर्धारणों में, जहां शुल्क की सिफारिश परिवर्ती आधार पर की गई है, सामान्य मूल्य का प्रकटन किया गया है और अधिसूचित किया गया है, वैसा ही वर्तमान मामले में किया जाना चाहिए, खासकर तब जब सामान्य मूल्य परिकलित सामान्य मूल्य हो जिसके आधार पर संख्या का प्रकटन किए बिना उसी जांच परिणाम में पूर्णतः चर्चा की गई हो।
- (ट) परिकलित सामान्य मूल्य कुमेन से नहीं होना चाहिए जो एक मध्यवर्तीय उत्पाद है परंतु इसे बेंजीन तथा प्रोपीलीन से होना चाहिए।

#### मै. सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स इंडिया लिमिटेड, कोलकाता

14. निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- यह एक भव्यावधि समीक्षा जांच है अतः उत्पादन लागत तथा परिकलित सामान्य मूल्य की कार्यप्रणाली अथवा आवंटन एवं अनुपात के आधार को इस जांच में परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि माननीय प्राधिकारी ने इसे मूल जांच में अपनाया था। घरेलू उद्योग ने कुमेन के चरण से अपने अनुरोधों में परिकलित सामान्य मूल्य का दावा किया है। तथापि, घरेलू उद्योग ने मूल मामले की याचिका में परिकलित सामान्य मूल्य का दावा कच्ची सामग्री के रूप में बेंजीन और प्रोपीलीन से किया है और प्राधिकारी ने इस कार्यप्रणाली को अपनाया है। अतः अनुरोध है कि कार्यप्रणाली या अनुपात तथा आवंटन का आधार वही होना चाहिए न कि उसे मूल जांच में अपनाए गए तरीके से बदला जाना चाहिए।
- यद्यपि, कीमत कटौती कागजों पर मौजूद है, तथापि, यह घरेलू उद्योग की उच्च घरेलू बिक्री प्राप्ति के कारण ही हो सकती है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उचित बिक्री कीमत से ही अधिक नहीं रही थी अपितु

वह अंतर्राष्ट्रीय बाजार की तुलना में भी अधिक थी । अतः प्राधिकारी को निर्यातक देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत परिवर्तन तथा इस बात की भी जांच करनी चाहिए कि क्या घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क का लाभ उठाकर कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर से अधिक रखकर स्थिति का अनुचित लाभ ले रहा है ।

मै. मित्सुई एंड कं. लि., जापान तथा मै. मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पी टी लि. सिंगापुर

15. निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- i. यद्यपि, अमरीका और ताइवान से आयात मात्रा में वृद्धि हुई है, तथापि, बिक्री में वृद्धि काफी अधिक नहीं हुई है और इससे एचओ सी एल की बिक्री प्रभावित नहीं हुई है । इसके अलावा, ताइवान से हुए आयातों की कीमत में 18 प्रतिशत और अमरीका से हुए आयातों की कीमत में क्षति अवधि के दौरान 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है ।
- ii. देश में कुल मांग में एच ओ सी एल तथा एस आई ग्रुप का हिस्सा आयातों के कारण प्रभावित नहीं हुआ है । अतः आयातों का कोई क्षतिकारी प्रभाव नहीं देखा जा सकता और घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा अप्रभावित रहा है ।
- iii. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद भारत को निर्यात मात्रा में वृद्धि हुई है ताकि मांग-पूर्ति में अंतर को पाटा जा सके । जांच अवधि के दौरान निर्यात कीमत में 96 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और मात्रा समान रही है । निर्यात कीमत में वृद्धि जो लगभग दुगुनी हुई है, वह कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि से काफी अधिक है ।
- iv. मूल जांच के दौरा ताइवान तथा अन्य देशों के किसी भी निर्यातक ने भाग नहीं लिया था और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर पाटन मार्जिन निर्धारित किया था तथा पाटन मार्जिन 21 प्रतिशत निर्धारित किया गया था और 137 अम.डॉ. प्रति मी.ट. के बराबर पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया था । मौजूदा सामान्य मूल्य से ताइवान से निर्यात कीमत तथा घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के कारण निर्यातक पाटन नहीं कर रहे हैं और ताइवान से हुए निर्यातों के संबंध में क्षति मार्जिन भी नकारात्मक है । कीमत में कोई ह्रास तथा न्यूनीकरण नहीं हुआ है ।
- v. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में परिकलित लागत आधार पर पाटन मार्जिन की गणना की है । घरेलू उद्योग ने ताइवान से सभी निर्यातों के लिए 13 प्रतिशत नकारात्मक पाटन मार्जिन निकाला है । ताइवान के सभी भागीदार निर्यातकों/उत्पादकों ने भी नकारात्मक पाटन मार्जिन का दावा किया है ।
- vi. घरेलू उद्योग पिछले 5 वर्षों से 70 प्रतिशत से 220 प्रतिशत के बीच लगाई गई पूँजी पर लगातार आय अर्जित कर रहा है । जांच अवधि के दौरान बिक्री % के रूप में प्रति मी.ट. लाभ काफी अधिक 43.28% है । उपर्युक्त मानदंडों से स्पष्ट तौर पर यह पता चलता है कि

आरोपित पाटन का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं है और घरेलू उद्योग के लगातार सुधरे हुए कार्यनिष्पादन से घरेलू उद्योग की स्थिर स्थिति का पता चलता है। इस तथ्य से यह भी पता चलता है कि ताइवान से हुए आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त या वापस लिए जाने से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- vii. घरेलू बाजार में फेनोल की कीमत में वृद्धि सतत और स्थिर है और यह स्थिति मध्यावधि समीक्षा की जांच अवधि के बाद भी जारी है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा फेनोल की कीमत में की गई वृद्धि कच्ची सामग्री तथा अन्य लागत में हुई वृद्धि से काफी अधिक है।
- viii. भारत तथा ताइवान से हुए निर्यातों, दोनों की कीमत में वृद्धि की प्रवृत्ति न केवल लगातार बढ़ी हुई है अपितु स्थिर भी है और यह पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने पर भी जारी रहेगी यदि ताइवान से फेनोल पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो ताइवान से कीमत में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की सीमा तक आगे और वृद्धि की जाएगी जो वर्तमान कीमत प्रणाली में तटस्थ है।
- ix. भारत में संबद्ध वस्तु की मांग भारतीय घरेलू उद्योग की क्षमता से काफी अधिक है। ऐसी स्थिति में इस अंतर को आयातों से पाटना जरूरी है। जब घरेलू उद्योग भारी मुनाफा कमा रहा है और मांग तथा पूर्ति में अंतर है, तो लागू पाटनरोधी शुल्क निष्प्रभावी बन गया है और इसके परिणामस्वरूप अंतिम प्रयोक्ता पर अनुचित बोझ पड़ेगा।
- x. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य अनुचित व्यापार व्यवहार को समाप्त करना है। ताइवान के निर्यातक पाटन नहीं कर रहे हैं और घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में ताइवान से फेनोल के आयात के संबंध में पाटनरोधी शुल्क तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए।

एलायड रेजिन्स एंड कैमिकल्स लि., ग्रीन प्लाई इंडस्ट्रीज लि., एरिजिम-कॉर्प इंडिया प्रा. लि., ए आर सी एल आर्गेनिक्स लि. के लिखित अनुरोध

16. निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- i. भारतीय बाजार का आकार बहुत छोटा है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में तीसरे देश से निर्यात भारत में भेजे जाने का कोई डर नहीं होना चाहिए।
- ii. मूल जांच के समय विद्यमान स्थितियों में अत्यधिक परिवर्तन हो गया है और शुल्क को निरंतर लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है।
- iii. अमरीका और ताइवान सहित सभी देशों से आयात कीमत में पर्याप्त वृद्धि हुई है। कच्ची सामग्री कीमत में केवल 569 रुपए प्रति मी.ट. की वृद्धि हुई है और आयात कीमत में 35,422 रुपए प्रति मी.ट. की भारी वृद्धि हुई है। अतः पहुंच मूल्य और क्षति रहित कीमत के बीच अंतर काफी कम तथा मामूली होगा।

- iv. इसके अलावा, आंकड़ों से यह पता चलेगा कि पिछले चार वर्षों से आयात कीमतें काफी उच्च स्तर पर चल रही हैं। अतः डी जी ए डी के लिए यह अनिवार्य और आवश्यक दोनों ही है कि वह पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण करें और इसके आधार पर वे शुल्क जारी रखने या समाप्त किए जाने का निर्णय लें।
- v. घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन की संभावना का निर्धारण करने में समीक्षा अवधि के दौरान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण संगत मानदंड है। कानूनी अपेक्षा के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन की कोई संभावना नहीं है।
- vi. क्षति रहित कीमत की गणना नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर की जानी चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

17. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच पाटनरोधी नियमों के संगत उपबंधों के अनुसार की है। हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर जांच परिणाम में उचित विचार किया गया है। प

### पाटन जारी रहना तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### मै. सेंचुरी प्लाईबोडर्स (इंडिया) लिमिटेड सहित अन्य आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा हितबद्ध पक्षकारों

18. यह एक मध्यावधि समीक्षा जांच है अतः उत्पादन लागत तथा परिकलित सामान्य मूल्य की कार्यप्रणाली अथवा आवंटन एवं अनुपात के आधार को इस जांच में परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि माननीय प्राधिकारी ने इसे मूल जांच में अपनाया था। घरेलू उद्योग ने कुमेन के चरण से अपने अनुरोधों में परिकलित सामान्य मूल्य का दावा किया है। तथापि, घरेलू उद्योग ने मूल मामले की याचिका में परिकलित सामान्य मूल्य का दावा कच्ची सामग्री के रूप में बेंजीन और प्रोपीलीन से किया है और प्राधिकारी ने इस कार्यप्रणाली को अपनाया है। अतः अनुरोध है कि कार्यप्रणाली या अनुपात तथा आवंटन का आधार वही होना चाहिए न कि उसे मूल जांच में अपनाए गए तरीके से बदला जाना चाहिए।

19. निर्यातक देशों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत परिवर्तन पर स्थायी आधार पर विचार किया जाना चाहिए और इस बात की भी जांच की जानी चाहिए कि क्या घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क का लाभ उठाकर कीमतें अंतर्राष्ट्रीय स्तर से बढ़ाकर स्थिति का अनुचित लाभ उठा रहा है।

**जापान तथा सिंगापुर सं संबद्ध वस्तु के निर्यातकों तथा ताइवान के उत्पादकों की ओर से अनुरोध**

**20. निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:**

- i. निर्यातक ने अनुरोध किया है कि उसने माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को पूरा सहयोग किया है और यथापेक्षित समस्त आवश्यक सूचना प्रदान की है।
- ii. एच ओ सी एल द्वारा दर्शायी गई सामान्य मूल्य की गणनाओं से कारखाना कीमत प्राप्त करने हेतु गणना करने के लिए किसी स्रोत का पता नहीं चलता है। उदाहरणार्थ वेतन एवं मजदूरी, प्रशासनिक व्यय, बिक्री एवं वितरण व्यय, ब्याज लागत आदि के लिए कोई स्रोत नहीं दिया गया है। इसके अलावा, ऐसे आंकड़ों का कोई सारांश या रेंज उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- iii. सामान्य मूल्य कुमेन की कीमतों के आधार पर परिकलित किया गया है जो एच ओ सी एल की स्वयं की स्वीकारोक्ति के अनुसार फेनोल की लागत के परिकलन हेतु अप्रासंगिक है। अतः सामान्य मूल्य का परिकलन बेंजीन की लागत के अनुसार किया जाना चाहिए और तब उसे “परिकलित सामान्य मूल्य” के रूप में स्वीकार किया जाए। अतः निर्यातक का माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे सामान्य मूल्य की गणना की विश्वसनीयता का सत्यापन करें।
- iv. निर्यात कीमत की गणना में समायोजनों का उल्लेख है जिन्हें किसी स्रोत के बिना प्रदान किया गया है। भाड़े, कमीशन, पत्तन व्यय आदि जैसे समायोजनों के लिए ऐसा कोई स्रोत नहीं दिया गया है जिनके अनुसार कटौतियां की गई हैं। अतः कारखाना निर्यात कीमत संदेहास्पद है।
- v. यदि यह नोट भी किया जाए कि पाटन मार्जिन की गणना से यह सिद्ध होता है कि ताइवान से कोई पाटन नहीं हुआ है और यू एस आई टी सी के आंकड़ों पर भरोसा करते हुए अमरीका से पाटन मार्जिन मामूली (लगभग 2 प्रतिशत) है। अतः घरेलू उद्योग ने इस बात का भी विरोध नहीं किया है कि इस समय संबद्ध देशों से पाटित आयातों का कोई मामला नहीं है।

**आयातकों और प्रयोक्ताओं की ओर से अन्य अनुरोध**

**21. निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:**

- i. यदि समीक्षा जांच के दौरान पाटन या क्षति मार्जिन में परिवर्तन हुआ है तो पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किया जा सकता है या उसमें कमी की जा सकती है।
- ii. किसी मध्यावधि समीक्षा में जांच प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन की संभावना का निर्धारण करना होता है। दूसरे शब्दों में निर्दिष्ट प्राधिकारी को

इस बात का निर्धारण करना होता है कि संबद्ध उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति जारी रहने या पुनः होने की संभावना है ।

- iii. घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन की संभावना के निर्धारण में समीक्षावधि के दौरान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण एक संगत मानदंड है ।
- iv. फोरम ऑफ एक्रीलिक फाइबर मैन्युफैक्चरर्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, 2006 (202) ई एल टी 257 में माननीय न्यायाधिकरण ने प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण किए जाने के बाद कि पहुंच मूल्य क्षति रहित कीमत से काफी अधिक था, पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने हेतु मध्यावधि समीक्षा जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी के जांच परिणाम को बरकरार रखा था ।
- v. अतः यह स्पष्ट है कि शुल्क जारी रखने के मुद्दे का निर्धारण करने के लिए वर्तमान क्षति की प्रवृत्ति तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण करना होगा । तथापि, घरेलू उद्योग के अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतरण से कीमत कटौती या कम कीमत पर बिक्री के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है । घरेलू उद्योग को ऐसे प्रकटन के परिणाम की भली भाँति जानकारी है और इसलिए उसने महत्वपूर्ण सूचना का खुलासा नहीं किया है ।

### घरेलू उद्योग के विचार

22. घरेलू उद्योग की ओर से निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:
- i. समीक्षा मामलों में नकारात्मक पाटन मार्जिन के साथ भी शुल्क को तब तक जारी रखना अपेक्षित होता है जब तक कि यह सिद्ध न हो जाए कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और परिणामी क्षति का कोई खतरा नहीं है ।
  - ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी उत्पादन लागत की उचित कार्य प्रणाली अथवा आवंटन एवं अनुपात के आधार पर विचार कर उसे सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु लागू कर सकते हैं ।
  - iii. पाटन मार्जिन का निर्धारण मासिक आधार पर किए गए विश्लेषण के अनुसार किया जाना चाहिए क्योंकि मासिक आधार पर कच्ची सामग्री की कीमत में भारी परिवर्तन हुआ है जिससे पाटन मार्जिन में वास्तविक घट-बढ़ का पता करना कठिन हो गया है ।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्क की जांच की है और उसकी जांच करने के बाद सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। आगे यह नोट किया जाता है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण ताइवान के सहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा दायर उत्तर के आधार पर इन उत्पादकों की संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत और उनकी उत्पादन लागत को ध्यान में रखने के बाद किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण ऐसे समायोजनों के बिना किया गया है जिनका प्राधिकारी ने सत्यापन किया है। चूंकि जांच अवधि में अमरीका के किसी उत्पादक तथा निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत तथा 5 प्रतिशत लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार किया गया है। यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने डी जी सी आई एस से प्राप्त सौदेवार आंकड़ों तथा जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के लिए याचिकार्ता द्वारा यू एन कॉमट्रेड तथा यू एस आई टी सी से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से ली गई सूचना के अनुसार आंकड़ों का विश्लेषण किया है। स्मरणीय है कि प्राधिकारी ने चीनी ताइपेई से संबद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। यह नोट किया जाता है कि 3 सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों की निर्यात मात्रा ताइपेई सीमाशुल्क से उपलब्ध सूचना से मेल खाती है और इसलिए चीनी ताइपेई से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा और मूल्य को उक्त देश के सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों तथा ताइवानी सीमाशुल्क की सूचना से ली गई है। जांचोत्तर अवधि हेतु भी प्राधिकारी ने ताइवान सीमाशुल्क के आंकड़ों से उपलब्ध कराई गई सूचना को ध्यान में रखा है। यह नोट किया जाता है कि ताइवान के मामले में डी जी सी आई एस के सौदेवार आंकड़ों में जांच अवधि हेतु कम मात्रा दर्शायी गई है और इसलिए संभावना की जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि तथा जांचोत्तर अवधि हेतु उस पर विचार नहीं किया गया है।

24. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के समस्त ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों से यह कहा था कि वे निर्यातक प्रश्नावली के प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रस्तुत करें। इसके उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रस्तुत की है और प्राधिकारी से उनकी प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर पाटन मार्जिन निर्धारण करने का आधार बनाने का अनुरोध किया है।

- मै. फार्मासा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पो., चीनी ताइपेई (एफ सी एफ सी)
- मै. ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई (टी पी सी सी)
- मै. चांगचुन प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड, चीनी ताइपेई (सी सी पी)
- कोमर ग्रुप ए जी, स्विट्जरलैंड
- मित्सुई एंड कंपनी जापान
- मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक, सिंगापुर)

25. यह नोट किया जाता है कि मै. फार्मेसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पॉ., चीनी ताइपेई, मै. ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्परेशन, चीनी ताइपेई, मै. चांगचुन प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड, चीनी ताइपेई संबद्ध वस्तु के उत्पादक और निर्यातक हैं। यह भी नोट किया जाता है कि मै. एफ सी एफ सी ने सीधे ओर कोमर ग्रुप एजी स्विटजरलैंड के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। आगे यह नोट किया जाता है कि मै. टी पी सी सी ने सीधे ओर कोमर तथा मित्सुई एंड कंपनी, जापान के जरिए निर्यात किया है जिन्होंने मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) के जरिए भारत को निर्यात किया है। दोनों व्यापारियों ने प्रश्नावली का उत्तर भी दायर किया है और अलग-अलग व्यवहार प्रदान करने का अनुरोध किया है।

### सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी निर्यातकों के लिए अपनाई गई सामान्य कार्य प्रणाली

26. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कीमत में उतार-चढ़ाव रहा था। अतः प्राधिकारी ने पाटन के निर्धारण हेतु समूचे आंकड़ों का माहवार विश्लेषण किया। माहवार आधार पर विश्लेषण करने के लिए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों से आवश्यक आंकड़े मांगे गए थे जो प्रस्तुत कर दिए गए थे और पाटन मार्जिन का निर्धारण मासिक आधार पर किया गया है।

27. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर और नियमों के अनुसार किया है। सर्वप्रथम यह देखा गया था कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा अपने घरेलू बाजारों में की गई संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री प्रतिनिधिक है और उनकी घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना हेतु व्यवहार्य है और क्या प्रतिवादियों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच पूरी होती है। अपने उत्तरों में प्रतिवादियों ने अपने घरेलू बाजारों में की गई बिक्री के सौदेवार और उपलब्ध कराए। इस प्रकार प्रदत्त सूचना पर संबद्ध वस्तु की पृथक भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत के निर्धारण हेतु भरोसा किया गया है। व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच करने के लिए संबद्ध उत्पाद की उत्पादन लागत मौके पर किए गए सत्यापन के अनुसार स्वीकार की गई है। इसके अलावा, समस्त घरेलू बिक्री सौदों की जांच संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में की गई थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई थी। यह भी देखा गया था कि क्या घाटे पर किए गए सौदे बिक्री के 20 प्रतिशत से अधिक बनते हैं या नहीं। जहां कहीं लाभदायक घरेलू बिक्री सौदे कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए थे वहां घरेलू बिक्री की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है। तथापि, जहां लाभकारी बिक्री मात्रा 80 प्रतिशत से कम पायी गई थी वहां लाभकारी घरेलू बिक्री की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है।

### मै. फार्मसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉर्पोरेशन, चीनी ताइपेई

28. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन किया गया है जिसने माहवार सूचना दायर की है। प्रश्नावली के उत्तर से यह देखा जाता है कि कंपनी ने उत्पादों के लिए माहवार लागत प्रदान की है। कारोबार के आधार पर एस जी ए व्यय का दावा किया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्री पर्याप्तता की जांच पर खरी उतरती है। उत्तर की परिशिष्ट 8 ख में दर्शाए गए अनुसार संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत स्वीकार की गई है जैसा कि मौके पर सत्यापन किया गया है ताकि व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच की जा सके। उनके समायोजनों की अनुमति मौके पर किए गए सत्यापन के अनुसा और नोट किए गए अनुसार प्रदान की गई है। ऐसे निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना मासिक आधार पर की गई है।

### मै. ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कॉर्पोरेशन, चीनी ताइपेई

29. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन किया गया था, प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने माहवार लागत प्रदान की है। यह भी नोट किया जाता है कि कंपनी ने सी सी पी को \*\*\* मी.ट. संबद्ध वस्तु जिसका निर्यात सी सी पी ने भारत को किया है। सी सी पी ने परिशिष्ट 1 में इन बिक्री सौदों को घरेलू बिक्री के रूप में सूचित किया है। यह भी नोट किया जाता है कि एस जी ए व्यय का दावा किया गया है जिसका अनुपात कारोबार के आधार पर निकाला गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्री पर्याप्तता की जांच पर खरी उतरती है। उत्तर की परिशिष्ट 8 ख में दर्शाए गए अनुसार संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत स्वीकार की गई है जैसा कि मौके पर सत्यापन किया गया है ताकि व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच की जा सके। उनके समायोजनों की अनुमति मौके पर किए गए सत्यापन के अनुसा और नोट किए गए अनुसार प्रदान की गई है। ऐसे निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना मासिक आधार पर की गई है।

### मै. चांग चुन प्लास्टिक्स कं. लि, चीनी ताइपेई

30. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन किया गया है जिसने माहवार सूचना दायर की है। प्रश्नावली के उत्तर से यह देखा जाता है कि कंपनी ने उत्पादों के लिए माहवार लागत प्रदान की है। कारोबार के आधार पर एस जी ए व्यय का दावा किया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्री पर्याप्तता की जांच पर खरी उतरती है। उत्तर की परिशिष्ट 8 ख में दर्शाए गए अनुसार संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत स्वीकार की गई है जैसा कि मौके पर सत्यापन किया गया है ताकि व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच की जा सके। उनके समायोजनों की अनुमति मौके पर किए गए सत्यापन के अनुसा और नोट किए गए अनुसार प्रदान की गई है। ऐसे निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना मासिक आधार पर की गई है।

### अमरीका के संबंध में सामान्य मूल्य

31. चूंकि अमरीका से संबद्ध वस्तु के किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के

आधार पर अमरीका में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। आंकड़ों का मिलान आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना तथा डी जी सी आई एस से प्राप्त सौदेवार सूचना के साथ किया गया है।

### निर्यात कीमत

#### प्रतिवादी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए सामान्य कार्य प्रणाली

32. प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर उनके संबंध में निर्यात कीमत की जांच की है। जैसा कि मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किया गया है, निर्यात कीमत और उसके समायोजनों की अनुमति जांच के बाद दी गई है।

#### मै. फार्मोसा कैमिकल्स इंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी टाइपेई

33. आवेदक ने भारत को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। एफ सी एफ सी ने सीधे और निर्यातकों/व्यापारियों के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार कारखाना व्यय हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है। यह नोट किया जाता है कि मै. एफ सी एफ सी ने भारत को सीधे और निम्नलिखित निर्यातकों के जरिए भी संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है।

- कोमर ग्रुप ए जी स्विट्जरलैंड.
- मित्सुई इंड कंपनी जापान
- मित्सुई इंड कंपनी (एशिया पैसिफिक), सिंगापुर

34. यह नोट किया जाता है कि मै. कोमर ग्रुप ने एफ सी एफ सी से प्राप्त संबद्ध वरतु के लिए भारत हेतु निर्यात कीमत के बारे में समर्त सूचना प्रदान की है। एफ सी एफ सी के लिए पाटन भार्जिन का निर्धारण उसके द्वारा भारत को सीधे किए गए और कोमर के जरिए किए गए संबद्ध वरतु के निर्यातों के कारण किया गया है क्योंकि भारत को निर्यातक समूची श्रृंखला से संबंधित सूचना प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई है।

35. तथापि, एफ सी एफ सी तथा टी पी सी सी से प्राप्त और मै. मित्सुई इंड कंपनी, जापान द्वारा मै. मित्सुई इंड कंपनी एशिया पैसिफिक, सिंगापुर के जरिए निर्यातित संबद्ध वस्तु के बारे में प्राधिकारी को भारत को निर्यातों तक समूची श्रृंखला से संबंधित इसी प्रकार की सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। जांच के दौरान और उसके बाद सत्यापन के समय यह नोट किया जाता है कि एफ सी एफ सी और टी पी सी सी के जरिए प्राप्त कुछ संबद्ध वस्तु का निर्यात दुबई स्थित एक अन्य कंपनी के जरिए भारत को किया गया है जिसके बारे में प्राधिकारी को कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी। अलग-अलग निर्यातकों/विनिर्माताओं के जरिए किये गये निर्यातों के बारे में आंकड़ों के सत्यापन से संबंधित रिपोर्ट की प्रति संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध

कराई गई थी। तथापि, सत्यापन रिपोर्ट पर टिप्पणियां मै. मित्सुई एंड कंपनी, जापान तथा मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक), सिंगापुर से प्राप्त हुई है। प्राधिकारी ने दोनों पक्षकारों की टिप्पणियों की जांच की है और यह नोट किया जाता है कि मै. मित्सुई एंड कंपनी, जापान तथा मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक), सिंगापुर तथा दुबई स्थित कंपनी के जरिए ताइवान से भारत को हुए निर्यात पोतलदानों की संपूर्ण श्रृंखला उपलब्ध नहीं है, इसलिए मित्सुई एंड कंपनी, जापान तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक), सिंगापुर के जरिए निर्यातों की श्रृंखला हेतु प्राधिकारी ने पृथक पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया है।

#### मै. ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, (टी पी सी सी), चीनी ताइपेई

36. टी पी सी सी ने भारत को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। एफ सी एफ सी ने सीधे और निर्यातकों/व्यापारियों के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार कारखाना व्यय हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है। पाटन मार्जिन की गणना निर्यातकों की पृथक श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए की गई है जो अधूरी है और उन निर्यातकों के जरिए किए गए निर्यातों, जिन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है और जिन्होंने भारत के लिए निर्यात कीमत से संबंधित व्यौरे प्रस्तुत किए हैं, के संबंध में की गई है।

#### मै. चांगचुन प्लास्टिक्स कं. लि., चीनी ताइपेई, (सी सी पी)

37. सी सी पी ने भारत को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। सी सी पी ने उसके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का भारत को सीधे निर्यात किया है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान टी पी सी सी से प्राप्त संबद्ध वस्तु की एक खेप का भारत को निर्यात किया गया है और प्राधिकारी को संपूर्ण श्रृंखला से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई गई थी। कारखाना कीमत निकालने के लिए सभी व्यय हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है जैसाकि मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किया गया है।

#### कोमर ग्रुप एजी स्विट्जरलैंड (कोलमर)

38. कोमर ने एफ सी एफ सी तथा टी पी सी सी दोनों से प्राप्त संबद्ध सामग्री का निर्यात किया है। यह नोट किया जाता है कि कोमर द्वारा भारत को बेची गई संबद्ध वस्तु सी आई एफ आधार पर है। कारखाना व्यय हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है जैसा कि मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किया गया है।

#### चीनी ताइपेई के असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

39. यूंकि संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के

आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है। आंकड़ों का मिलान, आवेदक, सहयोगी निर्यातकों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार किया गया है।

### अमरीका के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

40. चूंकि अमरीका से संबद्ध वस्तु के किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है। आंकड़ों का मिलान, आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना तथा डी जी सी आई एस से प्राप्त सौदेवार आयात सूचना के अनुसार किया गया है।

### क. पाटन मार्जिन

41. उपर्युक्तानुसार निर्धारित माहवार सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन अम.डॉ/मी.ट.	पाटन मार्जिन %
1	चीनी ताइपेई	मै. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	मै. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	****	1.63
2		मै. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	मै. कोमर ग्रुप ए जी स्विट्जरलैंड	****	2.07
3		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	****	8.51
4		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	कोमर ग्रुप ए जी स्विट्जरलैंड	****	1.74
5		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	चांग चुन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन ताइवान	****	2.05
6		चांग चुन प्लास्टिक कार्पोरेशन चीनी ताइपेई	चांग चुन प्लास्टिक कार्पोरेशन चीनी ताइपेई	****	4.93
7		चीनी ताइपेई से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	चीनी ताइपेई से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	****	8.51
8	अमरीका	अमरीका से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	अमरीका से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	****	2.96

## क्षति जारी रहना या उसकी पुनरावृत्ति होना तथा कारणात्मक संबंध का निर्धारण

### क्षति जारी रहना या उसकी पुनरावृत्ति होना

#### आवेदक, निर्यातक तथा आयातक के अनुरोध

42. जांच की मूल अवधि के साथ तुलना किए जाने पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में खास वृद्धि नहीं हुई है। यह भी अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग भारी मुनाफा कमा रहा है और वह चीनी ताइपेई तथा अमरीका से आयातों के कारण प्रतिकूलतः प्रभावित नहीं हुआ है। इसके अलावा, क्षति जांच लागत आधार पर फेनोल में कुमेन के अंतरण की लागत पर विचार करते हुए किया जाना चाहिए। यदि कार्यप्रणाली में परिवर्तन होता है तो प्राधिकारी को टिप्पणियां देने का अवसर प्रदान करना चाहिए।

#### घरेलू उद्योग के अनुरोध

43. निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- i. पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है। पाटन अवधि से तुलना करने पर उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, बिक्री कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ जैसे मापदंडों में सुधार प्रदर्शित हुआ है। तथापि, वर्ष 2007-08 (पाटन से पूर्व की अवधि) की तुलना में (क) यह सुधार पाटन से अधिक है (ख) निष्पादन अभी भी प्रतिकूल है। दूसरे शब्दों में घरेलू उद्योग उस स्थिति में पूरी तौर पर पहुंच गया है जो पाटन शुरू होने सू पूर्व विद्यमान थी।
- ii. चूंकि घरेलू उद्योग को अब क्षति नहीं हो रही है इसलिए पाटनरोधी शुल्क को समय से पूर्व समाप्त करना सर्वथा अपर्याप्त है। मध्यावधि समीक्षा के चरण पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की मांग करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को यह सिद्ध करना चाहिए कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में “घरेलू उद्योग को कोई क्षति होने की संभावना नहीं है।” यह दोहराया जाता है कि “क्षति की कोई संभावना नहीं है।” को सिद्ध करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर नहीं होता है। यह दायित्व निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष याचिकाकर्ता का होता है। “जारी रखने की कोई जरूरत नहीं है।” को सिद्ध करने का दायित्व केवल इस वजह से घरेलू उद्योग पर नहीं डाला जा सकता क्योंकि प्राधिकारी के लिए “शुल्क समाप्ति के लिए औचित्य” का निर्धारण करना अपेक्षित होता है। प्राधिकारी के लिए “शुल्क जारी रखने के औचित्य” का निर्धारण करना अपेक्षित होता है जैसा कि पूर्व में बताया गया है। “शुल्क जारी रखने का औचित्य” “शुल्क समाप्ति के लिए औचित्य” से भिन्न होता है।

- iii. क्षति रहित कीमत तथा क्षति मार्जिन की तुलना के बारे में घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि मध्यावधि समीक्षा में क्षति रहित कीमत की तुलना निवल बिक्री प्राप्ति से करना पूर्णतः अप्रासंगिक है।
- iv. क्षति रहित कीमत का निर्धारण सकल अचल परिसंपत्तियों वह भी वर्तमान बाजार मूल्य पर विचार करते हुए करना अपेक्षित होता है। घरेलू उद्योग के मूल संयंत्र का पहले ही पूर्ण मूल्यहास किया जा चुका है। यह आशा नहीं की जा सकती कि घरेलू उद्योग को "कोई लाभ नहीं कमाना" चाहिए क्योंकि निवेश खाता बहियों में पूर्णतः मूल्य हासित हैं। वस्तुतः घरेलू उद्योग इन निवेशों के वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर लाभ का पात्र है।
- v. वर्तमान मामला निवल अचल परिसंपत्तियों के आधार पर क्षति रहित कीमत के निर्धारण की कार्य प्रणाली की समीक्षा करने के लिए एक सर्वथा उचित मामला है। घरेलू उद्योग का प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कृपया खाता बहियों का सत्यापन करें जिनसे यह पता चलेगा कि फेनोल संयंत्र में मूल निवेशों पर पहले से ही मूल्यहास प्रदान किया गया है।
- vi. इस विधि में कुमेन के आयात कोई नहीं हो सकता है अथवा अत्यंत कम हो सके हैं जो फेनोल की वास्तविक कच्ची सामग्री है। यदि प्राधिकारी कुमेन की कीमत का परिकलन उचित समझ ाते हैं तो घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि कुमेन की बाजार कीमत के निर्धारण हनु मिमलिखित व्यय को जोड़ने की जरूरत है। इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि कोई भी व्यापार कंपनी ये व्यय किए बिना समग्री की खरीद नहीं कर सकते।
- समुद्री भाड़ा (यदि कीमत एफ ओ बी है)
  - समुद्री बीमा (यदि कीमत एफ ओ बी है)
  - सीमाशुल्क
  - सीमाशुल्क पर उप कर
  - पत्तन व्यय
  - अंतिम हैंडलिंग प्रभार
  - बैंक कमीशन
  - कमीशन
  - पत्तन से संयंत्र तक अंतरदेशीय भाड़ा
  - पत्तन पर और उसके बाद संयंत्र पर भंडारण व्यय

- कार्यशील पूंजी निवेश

44. वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सकल अचल परिसंपत्ति को विगत में लाभ के निर्धारण का आधार माना था। यह निर्णय उचित विचार के बाद लिया गया था जिससे कुछ समय तक लागू रखा गया और तत्पश्चात ऐसे कारणों से संशोधित कर दिया गया जो सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं हैं।

- क. देश के भीतर फैक्टरी से विस्तारित भांडागार तक भारतीय भाड़ा
- ख. अंतिम अवधि की मात्रा हेतु छूट- वस्तुस्थिति यह है कि यह व्यय "छूट है" जिसका तात्पर्य यह नहीं होना चाहिए कि उसे क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु अलग रखा जाए। हालांकि "बीजक गत" छूट की कटौती करना उचित हो सकता है क्योंकि ये बिक्री के समय प्रदत्त छूटें हैं तथापि, "बीजक के बाहर" छूट बिक्री निहितियों के मामले में प्रदान की जाती हैं और ये अंतिम अवधि छूटें होती हैं और इनकी आयात प्रतिस्पर्धा से कोई प्रासंगिकता नहीं होती है और इसीलिए इनकी कटौती नहीं की जानी चाहिए।

#### अन्य हितबद्ध पक्षकारों (आयातकों और प्रयोक्ताओं) के उत्तर

45. निम्नलिखित उत्तर दिए गए थे :
- i. किसी समीक्षा में जिन सर्वाधिक प्रमुख मापदंडों की जांच अपेक्षित है उनमें एक यह है कि क्या आयात के पहुंच मूल्य से कोई कम कीमत पर बिक्री हो रही है। कम कीमत पर बिक्री के संबंध में किसी खास परिवर्तन को एक प्रमुख मापदंड मानने की जरूरत है जिससे परिस्थितियों में स्थायी प्रकृति के परिवर्तन का पता चलता है। वर्तमान मामले में नकारात्मक कम कीमत पर बिक्री के साक्ष्य मौजूद हैं। यदि आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत से काफी अधिक है तो ऐसे आयातों से घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ सकता है।
  - ii. विभिन्न आर्थिक मापदंडों के विश्लेषण से यह पता चलेगा कि घरेलू उद्योग को सतत क्षति होने या उसकी संभावना नहीं है। वस्तुतः घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि में बेहतरीन निष्पादन किया है।
  - iii. मूल जांच की तुलना में जांच अवधि में घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि में घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा संयंत्र क्षमता से अधिक रही है। अतः घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
  - iv. मूल जांच अवधि के दौरान 71 मिलियन रुपए के लाभ की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग का अनुमानित लाभ, 1,158 मिलियन रुपए रहा था। इससे स्पष्ट तौर पर यह पता

चलता है कि वर्तमान जांच अवधि में घरेलू उद्योग ने 28,341 रुपए प्रति मी.ट. की अनुमानित दर से भारी मुनाफा कमाया है। अतः मूल जांच की तुलना में घरेलू उद्योग का निष्पादन बेहतरीन है।

क. मूल जांच अवधि की तुलना में संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग द्वारा निवेश पर अर्जित लाभ में अत्यधिक सुधार हुआ है। यह स्थिति नकद लाभ के मामले में भी है।

ख. यद्यपि, क्षति अवधि में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि से काफी अधिक रही है। अतः यह स्पष्ट है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत पर कीमत हासकारी/न्यूनकारी प्रभाव मौजूद नहीं है।

ग. अमरीका से भारत के लिए पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (अनुमानित) से अधिक है और तीसरे देशों की निर्यात कीमत भी घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से अधिक है। अतः अमरीका से पहुंच कीमत और अमरीका से तीसरे देशों को निर्यात की कीमत की तुलना में कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है। अतः अमरीका से प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की कोई गुंजाइश नहीं है।

- v. यह उल्लेखनीय है कि क्षति अवधि में एच ओ सी एल की बिक्री कीमत में 32% और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 40% की वृद्धि हुई है। अतः ताइवान और अमरीका से हुए आयातों के कारण एच ओ सी एल की बिक्री कीमत प्रभावित नहीं हो रही है।
- vi. ताइवान और अमरीका से संबद्ध वस्तु के आयातों का एच ओ सी एल की बिक्री और कीमत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा था अतः कीमत पर ऐसा कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है जिसकी वजह अमरीका और ताइवान से हुए आयातों को माना जा सके। अतः अमरीका और ताइवान से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई क्षतिकारी प्रभाव नहीं पड़ा है।
- vii. जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग 107% है जो क्षति अवधि के दौरान सबसे अधिक है। एच ओ सी एल के क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति का कोई संकेत नहीं मिलता है।
- viii. जांच अवधि में एच ओ सी एल की लाभप्रदता में नाटकीय ढंग से वृद्धि प्रदर्शित हुई है। घरेलू उद्योग की लागत नगण्य मानी गई है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के लाभ में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- ix. पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति इकाई उत्पादन लागत में 4% की मामूली वृद्धि हुई है। जहां एच ओ सी एल की बिक्री कीमत में क्षति अवधि में 32% और

- पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में लगभग 40% की वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में सफल रहा है और लागत में हुई मामूली वृद्धि का बिक्री कीमत की तुलना में कोई क्षतिकारी प्रभाव नहीं पड़ा है।
- X. मात्र अनुमान के आधार पर खतरे की जांच करना पाटनरोधी करार के अधिदेश के खिलाफ होगा और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे इस बात की जांच करें कि क्या घरेलू उद्योग के लिए "स्पष्ट तौर पर दृष्टिगोचर एवं आसन्नवर्ती" खतरा विद्यमान है। यदि इसका उत्तर सकारात्मक है तो शुल्क जारी रखा जाना चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

#### क्षति का जारी रहना

46. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

47. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है : "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

48. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और तथ्यों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है। क्षति मापदंडों का विश्लेषण करने के लिए मैं एच ओ सी एल के लेखा परीक्षित तुलन पत्र सहित समस्त संगत दस्तावेजों जो घरेलू उद्योग के हैं, की जांच की गई है और प्राधिकारी ने सत्यापन किया है। प्राधिकारी द्वारा भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दों पर उचित शीर्षों में कार्रवाई की है। उपभोक्ताओं के पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण असहयोगी बन जाने

तथा पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव अंतिम उत्पाद पर पड़ने के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण उपभोक्ताओं के असहयोगी बनने का प्रश्न ही नहीं उठता खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क की राशि पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो तक सीमित रखी जाए । इसके अलावा, यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु का उपयोग करते हुए विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाअनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाए । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

49. वर्तमान जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि कच्ची सामग्री कीमत में भारी परिवर्तन हुआ है और परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता में परिवर्तन आया है । यह भी तर्क दिया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में माह दर माह अंतर आया है । अतः हितबद्ध पक्षकारों ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत, क्षति रहित कीमत, निवल बिक्री प्राप्ति और पहुंच मूल्य का माह दर माह विश्लेषण किए जाने की अपेक्षा की है । तदनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया गया था कि वे माह दर माह आधार पर संगत आंकड़े उपलब्ध कराए । तदनुसार प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान माह दर माह आधार पर घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत, निवल बिक्री प्राप्ति और लाभप्रदता की गणना की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत \*\*\* रूपए प्रति मी.ट. है (सूचीबद्ध 91.86) से लेकर \*\*\*\* रूपए प्रति मी.ट. है (सूचीबद्ध 103.79) तक रही है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति \*\*\* रूपए प्रति मी.ट. है (सूचीबद्ध 96.50) से लेकर \*\*\* रूपए प्रति मी.ट. है (सूचीबद्ध 152.17) तक रही है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से लगातार अधिक रही है । अतः घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान उचित लाभ कमाया है ।

50. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि संयंत्र और मशीनरी के मूल्यहासित मूल्य के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्राथमिक तौर पर अधिक रही है । अतः ये तर्क दिए गए हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी परिसंपत्तियों के सकल मूल्य के आधार पर घरेलू उद्योग हेतु क्षति रहित कीमत के निर्धारण पर विचार करें । इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा निवेश पर आय की अनुमति पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत निर्धारित सिद्धांतों तथा प्राधिकारी द्वारा सभी मामलों में अपनाई गई सुसंगत पद्धति के अनुसार प्रदान की गई है । जहां तक निर्यातों के लिए परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कोई विशेष कार्यप्रणाली अपनाने के बारे में कुछ

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां तक संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का प्रश्न है, प्राधिकारी ने समस्त हितबद्ध पक्षकारों को संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा था। अतः जिन मामलों में हितबद्ध पक्षकारों ने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है और प्राधिकारी को सहयोग किया है, वहां प्राधिकारी ने ऐसी सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार किया है। निर्यातकों से अपेक्षित सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार किया है।

### मांग, आयात तथा घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

51. वर्तमान जांच में याचिकाकर्ताओं ने निर्यातकों के खुद के आंकड़ों के अलावा, गौण स्रोतों अर्थात् अमरीका से संबद्ध वस्तु के आयातों के लिए यू एस आई टी सी, आई बी आई एस तथा ताइवानी सीमाशुल्क पर आधारित आयात के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपेक्षित सूचना मांगते हुए डी जी सी आई एस कार्यालय को भी पत्र लिखा था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के लिए निर्यातकों के आंकड़ों तथा डी जी सी आई एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में प्रदर्शित आयात की मात्रा में भारी अंतर है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि संबद्ध देश के निर्यातकों (ताइवान) ने निर्यात मात्रा के बारे में अलग-अलग उत्तर प्रस्तुत किए हैं जिनके साथ समर्थकारी दस्तावेज भी लगाए हैं। चीनी ताइपेई के निर्यातकों ने अपने आंकड़ों के आधार पर निर्यात मात्रा और कीमत की पुष्टि की है। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए ताइवान को छोड़कर सभी संबद्ध देशों से हुए अयातों पर डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के आधार पर विचार किया है। तथापि, चीनी ताइपेई के मामले में चूंकि निर्यातों की मात्रा चीनी ताइपेई से निर्यातों की स्वीकार की गई मात्रा की तुलना में डी जी सी आई एस के आंकड़ों में कम पाई गई है इसलिए प्राधिकारी ने चीनी ताइपेई सीमाशुल्क द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्यातों पर विचार किया है जो निर्यातकों द्वारा अपने उत्तर में सूचित मात्रा से मेल खाती है। उपर्युक्त के आधार पर संबद्ध देशों से निर्यात की मात्रा और कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा निम्नानुसार है :

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
एच ओ सी एल की बिक्री	मी. ट.	43,723	40,924	37,671	40858
एस आई इंडस्ट्रीज की बिक्री*	मी. ट.	29247	31451	31958	33754
भारतीय घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	72970	72375	69629	74609

बिक्री					
प्रवृत्ति	%	100	96.1	100	108
संबद्ध देश-आयातक	मी. ट.	48921	27511	48408	63274
प्रवृत्ति	%	100	56.2	98.9	129
अन्य देश - आयात शुल्क से संबद्ध	मी. ट.	44113	60726	44370	31272
प्रवृत्ति	%	100	137.6	100.5	70.8
अन्य देश शुल्क से असंबद्ध	मी. ट.	7388	1911	9312	22039
भारत में कुल आयात	मी. ट.	100422	90148	100090	116505
प्रवृत्ति	%	100	89.7	99.6	116.10
भारत में कुल मांग	मी. ट.	173392	162523	169719	191194
प्रवृत्ति	%	100	93.7	97.8	110.3

### विभिन्न मापदंडों की तुलना में आयात

52. प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में संबद्ध आयातों की प्रवृत्ति का विश्लेषण किया है। यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की आयात की मात्रा में लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कुल मांग में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2007-08 में 48.7 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि में 54.3 प्रतिशत हो गया है। इसके अतिरिक्त कुल मांग में भारतीय उत्पादकों का हिस्सा सामान्यतः स्थिर रहा है। देश में उपलब्ध सीमित उत्पादन क्षमता तथा घरेलू उद्योग पर आयातों के कीमत प्रभाव को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने कुल मांग में संबद्ध वस्तु के आयात के बाजार हिस्से की जांच की है। संबद्ध देशों से हुए आयात और घरेलू उद्योग की बिक्री का व्यौरा संक्षेप में निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
चीनी ताइपेई से आयात	मी.ट.	13555	2873	14778	20596

अमरीका	मी.ट.	35366	24637	33630	42678
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	48921	27511	48404	63274
पाटनरोधी शुल्क से संबद्ध अन्य देशों से आयात	मी.ट.	44113	60726	42370	31272
पाटनरोधी शुल्क से असंबद्ध अन्य देशों से आयात	मी.ट.	7388	1911	9312	22039
कुल आयातक	मी.ट.	100422	90148	100090	116585
कुल घरेलू बिक्री	मी.ट.	72970	72375	69629	74609
संबद्ध वस्तु की कुल मांग	मी.ट.	173392	162523	169719	191194
मांग के % के रूप में चीनी ताइपेई से आयात	%	7.8	1.768	8.7	10.8
मांग के % के रूप में चीनी अमरीका से आयात	%	20.4	15.15	19.8	22.3
मांग के % के रूप में चीनी ताइपेई से आयात	%	28.2	16.9	28.5	33.10
मांग में भारतीय उत्पादकों का हिस्सा	%	42.1	41.7	41.0	43.00

53. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की कुल मांग और भारतीय उद्योग की बिक्री को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का निर्धारण किया है। उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि और जांच अवधि की तुलना में भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा सामान्यतः यथावत रहा है। तथापि, संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात मात्रा में भी भारी वृद्धि हुई है।

### उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

54. निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलन में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग 107 प्रतिशत रहा था।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
क्षमता	मी.ट.	40,000	40,000	40,000	40,000
उत्पादन	मी.ट.	41,908	42,641	36,751	42,894
प्रवृत्ति		100	102	88	107

### लाभप्रदता

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में 2007-08 और 2008-09 के दौरान मामूली वृद्धि हुई है। दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिकी प्राप्ति में भारी गिरावट आई है। तथापि, जांच अवधि के दौरान बिकी प्राप्ति में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि से काफी अधिक रही थी। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2008-09 और 2009-10 में गिरावट आई परंतु जांच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वृद्धि हुई। ऐसी ही प्रवृत्ति क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कर पूर्व लाभ में नोट की गई थी।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रु./मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	102	106
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	92	132
लाभ/हानि	रु./मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	30	297

कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	****	****	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	23	22	227

रोजगार तथा मजदूरी

56. जांच अवधि और क्षति अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कोई खास परिवर्तन नोट नहीं किया गया है। तथापि, कंपनी की मजदूरी लागत में समग्र आधार पर और प्रति कर्मचारी मजदूरी के संबंध में वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	94	100
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	105	139
प्रति कर्मचारी मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	108	111	139

उत्पादकता

57. क्षति अवधि के आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति दिवस और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में कोई परिवर्तन नोट नहीं किया गया है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	102	88	102
प्रति कर्मचारी	मी.ट.	****	****	****	****

उत्पादकता					
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	102	88	102

### निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

58. निवेश पर आय का निर्धारण ब्याज पूर्व लाभ तथा कर एवं उत्पाद के लिए लगाई गई पूँजी पर विचार करने के बाद किया गया है। नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण मूल्यहास से पूर्व परंतु ब्याज लागत के बाद लाभ पर विचार करते हुए किया गया है। क्षति अवधि तथा जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लगाई गई पूँजी पर आय में विविध प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। यद्यपि, क्षति अवधि के प्रथम दो वर्षों में लगाई गई पूँजी पर आय में गिरावट आई है, तथापि उसमें पूर्ववर्ती वर्ष तथा इस जांच के आधार वर्ष की तुलना में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है। ऐसी ही प्रवृत्ति नकद लाभ और संबद्ध वस्तु पर प्रति टन लाभ में नोट की गई है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
लाभ/हानि	रु./मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	30	227
कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	27	26	222
आर ओ सी ई	%	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	29	29	244
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	23	24	228

### मालसूची

59. निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में वर्ष 2009-10 में घरेलू उद्योग के मालसूची स्तर में मामूली वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
आरंभिक	मी.ट.	2,307	492	2,209	760
अंतिम	मी.ट.	492	2,209	1,289	2,796
औसत	मी.ट.	1,399	1,351	1,749	1,778
बिक्री माह के अनुसार स्टॉक		0.38	0.39	0.56	0.52

### वृद्धि

#### पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

60. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता के बारे में घरेलू उद्योग ने कोई तर्क नहीं दिया है। घरेलू उद्योग ने क्षमता विस्तार की किसी योजना का संकेत नहीं दिया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त लाभप्रदता के स्तर के कारण यह स्पष्ट है कि अपेक्षा किए जाने पर पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

#### पाठन का स्तर तथा पाठन मार्जिन

61. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के बारे में पाठन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

#### आयातों का कीमत ग्राहण

62. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की गई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में इतनी अधिक गिरावट आई है अथवा होने वाली कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा वृद्धि हुई होती। संबद्ध उत्पाद हेतु तुलना निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार हेतु घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सभी रिकेटों और करों के बिना की गई थी। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था। इस तुलना से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान चीनी टाइपई और अमरीका के मूल की संबद्ध वस्तु की भारतीय बाजार में बिक्री घरेलू उद्योग की कीमत से

अधिक मूल्य पर की गई थी। अतः यह देखा जाता है कि आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही थी और कीमत कटौती का मार्जिन सकारात्मक यात्रा गया है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
चीनी ताइपेई से पहुंच मूल्य	रु./मी.ट.	73380	55840	60750	83830
अमरीका से पहुंच मूल्य	रु./मी.ट.	67670	67790	48228	80310
संबद्ध देशों से औसत पहुंच मूल्य	रु./मी.ट.	69272	66541	52098	81616
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	****	****	****	****
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	****	****	****	****
कीमत कटौती	%	-	3-6	(15-25)	8-12

63. प्राधिकारी द्वारा सहयोगी निर्यातकों के संबंध में कीमत कटौती की गणना की गई है जो निम्नानुसार है:

क्र. सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	कीमत कटौती	कीमत कटौती %
1	चीनी ताइपेई	मे. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	मे. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	****	9
2		मे. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	मे. कोमर गुप्त ए जी स्विट्जरलैंड	****	12
3		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	****	4
4		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	कोमर गुप्त ए जी स्विट्जरलैंड	****	28
5		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	चांग चुन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन ताइवान	****	20

6		चांग चुन प्लास्टिक कार्पोरेशन चीनी ताइपेई	चांग चुन प्लास्टिक कार्पोरेशन चीनी ताइपेई	****	19
7	अमरीका	चीनी ताइपेई से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	चीनी ताइपेई से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	****	18

64. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाठित आयात के कारण घरेलू उद्योग के कीमत हास, कीमत न्यूनीकरण और कम कीमत पर बिकी, यदि कोई हो, की भी जांच की है। जांच के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2008-09 तथा 2009-10 में जहां घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में परिवर्तन के अनुरूप अपनी बिकी कीमत बढ़ाने में असमर्थ था परंतु उसने जांच अवधि में ऐसा किया। बिकी कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि से काफी अधिक है। यह प्रवृत्ति निर्यातों के पहुंच मूल्य में नोट की गई है। घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान कोई कीमत हास का सामना नहीं करना पड़ा है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	92	92	132
बिक्री की लागत-घरेलू	रु./मी.	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	101	102	106
पहुंच कीमत	रु./मी.	69272	66541	52098	81616
सूचीबद्ध		100	94	75	118

65. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कर एवं शुल्क, रिबेट, छूट और भाड़ा एवं ढुलाई को छोड़कर बिकी कीमत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिकी प्राप्ति का निर्धारण किया है। आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण 1 प्रतिशत उत्तराई प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क एवं लागू उपकर के साथ भारित औसत सी आई एफ आयात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। चूंकि कम कीमत पर बिकी क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है इसलिए प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत की गणना की है और उसकी तुलना कम कीमत पर बिकी की मात्रा निकालने के लिए पहुंच मूल्य के साथ की है। घरेलू उत्पादक के लिए क्षति रहित कीमत की गणना जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर उचित विचार करने के बाद की गई है। यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में प्रति मी.

ट. आयात का पहुंच मूल्य संबद्ध देशों के बारे में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से अधिक है। कम कीमत पर बिकी मार्जिन नकारात्मक पाया गया है।

66. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। घरेलू उद्योग की इस क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षति मार्जिन का निर्धारण उचित शीर्षों में किए गए उल्लेख के अनुसार पाटन मार्जिन के अनुरूप किया गया है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ मी.ट.	पाटन मार्जिन %
1	चीनी ताइपेई	मै. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	मै. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	****	(25-30)
2		मै. फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	मै. कोमर ग्रुप ए जी स्विट्जरलैंड	****	(18-22)
3		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	****	(22-27)
4		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	कोमर ग्रुप ए जी स्विट्जरलैंड	****	(24-28)
5		ताइवान प्रोस्पेरिटी कैमिकल कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई	चांग चुन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन ताइवान	****	(30-35)
6		चांग चुन प्लास्टिक कार्पोरेशन चीनी ताइपेई	चांग चुन प्लास्टिक कार्पोरेशन चीनी ताइपेई	****	(30-35)
7		चीनी ताइपेई से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	चीनी ताइपेई से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	****	(22-27)
8	अमरीका	अमरीका से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	अमरीका से अन्य उत्पादक तथा निर्यातक	**** ****	(10-15)
9	संबद्ध देश	समस्त उत्पादक तथा निर्यातक	समस्त उत्पादक तथा निर्यातक	**** ****	(12-17)

## शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृति होने की संभावना

67. प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्या संबद्ध देशों से पाटित कीमत पर भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का प्रवेश जारी रहेगा अथवा उसका निर्यात किए जाने की संभावना है। इस बात की जांच करना प्रासंगिक है कि शुल्क समाप्त या परिवर्तित किए जाने की स्थिति में क्या इन पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है। यह पहले ही सिद्ध किया जा चुका है कि तीसरे देशों को संबद्ध देशों से आयात का वास्तविक पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से कम है।

68. प्राधिकारी ने जांच के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना और साक्ष्य के आधार पर घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की पुनरावृति की संभावना की भी जांच की है। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-II (vii) के अनुसार वास्तविक क्षति की आशंका से संबंधित मापदंडों पर विचार करते हुए क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृति होने की जांच की है; जिसमें निम्नानुसार उल्लेख है :-

“वास्तविक क्षति की आशंका का निर्धारण तथ्यों पर आधारित होगा और न कि आरोप, निराधार कल्पना या सुदूर संभावना पर। परिस्थितियों में परिवर्तन जिनसे ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जिनमें पाटन से क्षति होगी, स्पष्ट रूप से दिखने चाहिए और आसन्नवर्ती होने चाहिए। वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे कारकों पर विचार करेंगे और;

(क) भारत में पाटित आयातों में वृद्धि की अधिक दर जिससे आयातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

(ख) निर्यातिक की क्षमता में पर्याप्त मुक्त रूप से निष्टान योग्य, या आसन्नवर्ती, पर्याप्त वृद्धि जिनसे किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पाटित निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं, जिनसे घरेलू कीमतों पर काफी हासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और इनसे अधिक उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना है तथा

(घ) उस वस्तु की वस्तु सूची की जांच की जा रही हो।”

### घरेलू उद्योग के विचार

69. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किया है:

क. आवेदक ने याचिका के साथ ऐसी कोई सामग्री नहीं दी है कि पाटन और क्षति की कोई संभावना नहीं है। किसी मध्यावधिक समीक्षा जांच में निर्यातक के लिए यह सिद्ध करना महत्व नहीं लगता है कि उत्पाद का पाटन वर्तमान समीक्षा अवधि में किया जा रहा है। निर्यातक के लिए यह सिद्ध करना अपेक्षित होता है कि कोई पाटन नहीं हुआ है और पाटनरोधी शुल्क में संशोधन या उसके समापन की स्थिति में उत्पादन के पाटन की कोई संभावना नहीं है। इसी प्रकार घरेलू उद्योग को क्षति की मात्र गैर मौजूदगी अपर्याप्त है। निर्यातक के लिए यह सिद्ध करना होता है कि पाटनरोधी शुल्क में संशोधन या समापन किए जाने की स्थिति में क्षति की कोई संभावना नहीं है।

ख. चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए मध्यावधि समीक्षा जांच में पाटन एवं क्षति की संभावना की जांच अपेक्षित होती है इसलिए इसका तात्पर्य यह है कि प्राधिकारी की ओर से इस संबंध में संगत सूचना और साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

ग. नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई समीक्षा कार्रवाई में ऐसी 3 जांचें हैं जिन पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार करना अपेक्षित है।

- ऐसे विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करना जिनके अंतर्गत समीक्षा की जरूरत हेतु पर्याप्त “परिवर्तित परिस्थितियाँ” विद्यमान हों।
- उपाय को समाप्त या उसमें परिवर्तन किए जाने की स्थिति में पाटन और/अथवा क्षति जारी रहने की संभावना नहीं होगी अर्थात् पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में “कोई क्षति” न होने की संभावना की पुष्टि किए जाने की जरूरत है।
- क्या घरेलू उद्योग मौजूदा उपायों के कारण क्षति को समाप्त करने अथवा ऐसे पाटन का मुकाबला करने में सक्षम हुआ है जिससे क्षति हो रही है अथवा क्षति पहुंचाने वाले पाटन का मुकाबला करने के लिए वह अब सक्षम नहीं है।
- ऐसे विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करना जिनके अंतर्गत समीक्षा की जरूरत हेतु पर्याप्त “परिवर्तित परिस्थितियाँ” विद्यमान हों।

घ. उपाय को समाप्त या उसमें परिवर्तन किए जाने की स्थिति में पाटन और/अथवा क्षति जारी रहने की संभावना नहीं होगी अर्थात् पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में “कोई क्षति” न होने की संभावना की पुष्टि किए जाने की जरूरत है।

ड. क्या घरेलू उद्योग मौजूदा उपायों के कारण क्षति को समाप्त करने अथवा ऐसे पाटन का मुकाबला करने में सक्षम हुआ है जिससे क्षति हो रही है अथवा क्षति पहुंचाने वाले पाटन का मुकाबला करने के लिए वह अब सक्षम नहीं है।

च. यह दावा किया गया है कि सामान्य मूल्य में गिरावट आई है और निर्यात कीमत बढ़ी है। तथापि इसका तात्पर्य यह नहीं है कि कोई पाटन नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता ने यह दावा नहीं किया है कि (क) उत्पाद का अब पाटन नहीं किया जा रहा है और (ख) शुल्क में संशोधन या समापन किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृति होने की संभावना नहीं है। इस संबंध में कोई सकारात्मक साक्ष्य भी नहीं है।

70. चीनी ताइपेई और अमरीका से विभिन्न वैश्विक बाजारों में पर्याप्त निर्यात, विश्व बाजार में पर्याप्त बेशी क्षमता और निकट भविष्य में क्षमता में नई वृद्धि से स्पष्टतः मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त उत्पादन क्षमता का स्पष्ट आभास होता है। यह अनुरोध किया गया है कि संभावना की जांच मध्यावधिक समीक्षा जांच में भी लागू होती है।

71. घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि मध्यावधि समीक्षा जांच में निर्यातक के लिए यह सिद्ध करना अपर्याप्त है कि वर्तमान समीक्षा अवधि में पाटन नहीं किया जा रहा है। निर्यातक के लिए यह सिद्ध करना अपेक्षित है कि कोई पाटन नहीं हुआ है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने या उसमें संशोधन किए जाने की स्थिति में उत्पाद का पाटन किए जाने की कोई संभावना नहीं है। इसी प्रकार घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मात्र मॉजूदगी अपर्याप्त है। निर्यातक के लिए यह सिद्ध करना अपेक्षित है कि पाटनरोधी शुल्क में संशोधन या समापन किए जाने की स्थिति में क्षति की कोई संभावना नहीं है। अपने अनुरोधों में घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों की पुष्टि करते हुए सेस्टेट के कई मामलों/निर्णयों का उल्लेख किया है कि समीक्षा जांचों में जो महत्वपूर्ण है वह क्षति का अभाव नहीं है अपितु यह साक्ष्य महत्वपूर्ण है कि जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति और क्षति मार्जिन का अभाव स्थायी स्वरूप का है और पाटनरोधी शुल्क के अभाव में क्षति होने की संभावना नहीं है।

#### आवेदक निर्यातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

72. आवेदक निर्यातक (मै. एफ सी एफ सी, ताइपेई) ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

क. भारत और विश्व में फेनोल की कीमत में वृद्धि हो रही है और वृद्धि की प्रवृत्ति जांच अवधि के बाद जारी है। वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच की जांच अवधि के बाद घरेलू उद्योग ने फेनोल की कीमत में 51 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। ख. चीनी ताइपेई और अमरीका से निर्यात कीमत में भी यही प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। माह दिसंबर, 2010 के दौरान चीनी ताइपेई और अमरीका से एफ ओ बी कीमत 2000 अम.डा. प्रति मी.ट. थी जो वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच की जांच अवधि के दौरान प्रचलित कीमत से लगभग 40 प्रतिशत अधिक है।

### अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

73. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

क. पाटनरोधी उपाय का उद्देश्य कीमतों पर एकाधिकार स्थापित करने के लिए घरेलू उद्योग को सुविधा प्रदान करना नहीं है बल्कि क्षति पहुंचाने वाले पाटन के व्यापार विकृतिकारी प्रभावों को समाप्त करना है और इस प्रकार भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना है।

ख. इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने क्षति की पुनरावृति के बारे में तर्क दिए हैं और इसके समर्थन में सुनवाई के दौरान कुछ पूर्ववर्ती जांच परिणामों तथा सेस्टेट के निर्णय उद्घृत किए हैं। इस मामले के तथ्य सर्वथा भिन्न हैं क्योंकि इस मामले में (i) घरेलू उद्योग बेहतरीन/असामान्य लाभ कमा रहा है (ii) भारतीय उत्पादकों की क्षमता भारत में मांग से कम है और (iii) लघु उद्योग भी इस उत्पाद की खपत कर रहे हैं। अतः इस स्थिति में हम प्राधिकारी से यह पूछ सकते हैं कि क्या लघु प्रयोक्ता उद्योग जीवित रह सकते हैं?

ग. इस उत्पाद में घरेलू उद्योग अलग-अलग देशों से पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण काफी समय से पाटनरोधी शुल्क का लाभ प्राप्त कर रहा है जबकि यह एक जिन्स उत्पाद है। घरेलू उद्योग हमेशा यह मांग करेगा कि पाटनरोधी शुल्क जारी रहना चाहिए क्योंकि वह पाटनरोधी शुल्क की आड़ में बेहतर मुनाफा कमाना चाहता है और उचित प्रतिस्पर्धा करना नहीं चाहता है। अतः उन्होंने फेनोल पर पाटनरोधी शुल्क हटाने का अनुरोध किया है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

74. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की है। यह स्मरणीय है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि और जांच अवधि के बाद अनुमानित उत्पादन, घरेलू बिकी, चीनी ताइपेई और अमरीका से आयात, जांच अवधि के बाद दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई तथा अमरीका से संबद्ध वस्तु के आयात और जांच अवधि के दौरान अन्य देशों को निर्यात के संदर्भ में सहयोगी निर्यातकों से पूरक प्रश्नावली में अतिरिक्त सूचना मांगी थी ताकि नियम 23 में उल्लिखित क्षति की संभावना के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की जा सके। इस संबंध में प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं :

i. जांचोत्तर अवधि में निर्यातों की मात्रा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन की संभावना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने तीसरे देशों से भारत को संबद्ध वस्तु की निर्यात मात्रा का मासिक विश्लेषण किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जनवरी, 2011-जून, 2011 की अवधि के दौरान चीनी ताइपेई और अमरीका से निर्यात मात्रा क्रमशः 13907 मी.

ट तथा 10694 मी.ट. रही थी । इस प्रकार जनवरी, 2011—जून, 2011 की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यात मात्रा 24601 मी.ट. थी । पूर्ववर्ती वर्ष की इसी अवधि अर्थात् जनवरी, 2010—जून, 2010 के दौरान संबद्ध देशों से भारत को निर्यात की मात्रा 12073 मी.ट. थी । तथापि, जांच अवधि की दूसरी छमाही में निर्यात मात्रा 43550 मी.ट. रही थी । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांचोत्तर अवधि में संबद्ध देशों से निर्यात मात्रा में कोई खास वृद्धि प्रदर्शित नहीं होती है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो ।

- ii. **घरेलू उद्योग की लाभप्रदता:** जांचोत्तर अवधि में पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की संभावना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने जनवरी, 2011—जून, 2011 तक की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और लाभप्रदता का माहवार विश्लेषण भी किया है । उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि उक्त अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की बिक्री पर लगातार लाभ कमाया है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति भी तदनुरूपी महीनों के लिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी अधिक नोट की गई थी । अतः जांचोत्तर अवधि में कोई कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव नहीं देखा गया है ।
- iii. **आयातों का पहुंच मूल्य, निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) तथा एन आई पी:** जांचोत्तर अवधि में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य का विश्लेषण भी किया है । यह नोट किया जाता है कि चीनी टाइपर्एई के आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से सामान्यतः कम है । तथापि, फरवरी, 2011 और जून, 2011 के महीनों में पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से मामूली अधिक था । इसी प्रकार अमरीका के संबंध में आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम नोट किया गया था जिससे कीमत कटौती का पता चलता है । तथापि, यह भी नोट किया गया था कि उसी अवधि के लिए आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत से काफी अधिक था । अतः जांचोत्तर अवधि में पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग को कोई क्षति न पहुंचाने वाला माना गया था । वस्तुतः जांचोत्तर अवधि के लिए क्षति मार्जिन लगातार नकारात्मक रहा था ।
- iv. **संबद्ध देशों से तीसरे देशों को संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत:** घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देश तीसरे देशों को संबद्ध वस्तु की बिक्री भारत को निर्यात कीमत से कम कीमत पर कर रहे हैं । अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों द्वारा भारत को अपने निर्यात भेजे जाने की संभावना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होगी । इस संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत और निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में संबद्ध देशों से तीसरे देशों को निर्यात के पहुंच मूल्य का माहवार विश्लेषण किया है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में तीसरे देशों से निर्यात का पहुंच मूल्य कम है । तथापि, यह घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से अधिक है । इससे यह भी पता चलता है कि यह मानने के बाद भी कि संबद्ध देशों से कुछ आयात भारत को भेजे जाएंगे, ऐसा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में होगा । फिर भी उनसे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने की संभावना नहीं है ।

### कारणात्मक संबंध

75. कारणात्मक संबंध के मुद्दे के बारे में हितबद्ध पक्षकारों की जांच की गई है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध के मुद्दों की विस्तृत जांच की गई थी। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- ॥ के पैरा (v) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"यह प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है; जैसा कि उपर्युक्त पैराग्राफ (ii) तथा (iv) में उल्लेख किया गया है। पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रदर्शन निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष सुसंगत साक्ष्य की जांच पर आधारित होगा। इसके साथ ही निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों से इतर अन्य ज्ञात कारकों जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, की भी जांच करेंगे और इन कारकों से हुई क्षति को पाटित आयातों का कारण नहीं माना जाएगा। इस संबंध में जो कारक प्रासंगिक हो सकते हैं, उनमें अन्य बातों के साथ-साथ आयातों की मात्रा एवं कीमतें; जिन्हें पाटित कीमतों पर नहीं बेचा गया, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी का विकास एवं घरेलू उद्योग का निर्यात कार्यनिष्ठादान एवं उत्पादकता शामिल हैं।"

### मांग में कमी

76. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है। मांग में संभावित कमी से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

### खपत की पद्धति में परिवर्तन

77. विचाराधीन उत्पाद के बारे में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही इस बारे में कोई मात्रात्मक आरोप लगाया गया है। जांच से अब तक वैकल्पित प्रतिस्पर्धी उत्पादों की मौजूदगी और ऐसे वैकल्पिक उत्पादों से होने वाली संभावित क्षति की मौजूदग का पता नहीं चला है।

### विदेशी और घरेलू उत्पादों के व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रभाव और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहां चीनी टाइपेई और अमरीका से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं जिनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है। विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के बीच घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा का कोई साक्ष्य नहीं है।

## प्रौद्योगिकी विकास

79. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं है और न ही अब तक की जांच से यह पता चला है कि प्रौद्योगिकी विकास के कारण घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है।

## निर्यात निष्पादन

80. घरेलू उद्योग ने कोई घरेलू बिकी नहीं की है। तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालन और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है।

## घरेलू उद्योग की उत्पादकता

81. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान श्रमिक उत्पादन और दैनिक उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादन और बिकी में वृद्धि के साथ-साथ समूची क्षति अवधि में वृद्धि हुई है।

## निष्कर्ष

82. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में दर्ज किए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और उपर्युक्त विश्लेषण के अनुसार प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. यद्यपि इस मध्यावधि समीक्षा में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित कीमत पर विचाराधीन उत्पाद का सतत पाठन हुआ है, तथापि इससे जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग पर किसी प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है।
- ख. यद्यपि, जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत पर कटौती हो रही है। तथापि, घरेलू उद्योग की मात्रा, कीमत और लाभप्रदता पर इसके प्रतिकूल प्रभाव का अभाव है। इसके अलावा, जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिकी प्राप्ति तथा लाभप्रदता के माहवार विश्लेषण से यह पता चलता है कि उक्त अवधियों में घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की बिकी पर निरंतर लाभ कमाया है। इसके अलावा, इन्हीं अवधियों के दौरान तदनुरूपी महीनों के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिकी प्राप्ति घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी अधिक नोट की गई थी। अतः जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि में कीमत हासकारी और अथवा कीमत न्यूनकारी प्रभाव का कोई साक्ष्य नहीं है।

ग. क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृति होने की संभावना के निर्धारण हेतु जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग पर कीमत प्रभाव के स्थायी स्वरूप और उसके प्रभाव के निर्धारण के बारे में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत की तुलना में संबद्ध देशों से तीसरे देशों को निर्यात के पहुंच मूल्य के माहवार विश्लेषण से यह पता चलता है कि तीसरे देशों को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यात का पहुंच मूल्य सामान्यतः घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से अधिक था। इसके अलावा, तीसरे देशों को संबद्ध देशों से निर्यातों का पहुंच मूल्य उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से काफी कम नोट किया गया था। इससे यह भी पता चलता है कि शुल्क समाप्त किए जाने के परिणामस्वरूप, यह अनुमान लगाने के बाद भी संबद्ध देशों से कुछ आयात भारते को भेजे जाएंगे, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने की संभावना नहीं है।

### सिफारिशें

83. उपर्युक्तानुसार निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का मत यह है कि चीनी ताइपेई और अमरीका के मूल के या वहां से निर्यातित फेनोल पर पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लगाए जाने की कोई जरूरत नहीं है और उसे हटाना अपेक्षित है।

84. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

#### (Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th February, 2012

#### Final Findings

**Subject : Mid-Term Review investigation concerning import of Phenol originating in or exported from Chinese Taipei and USA—Final Findings.**

#### No. 15/31/2010-DGAD.—Background of the Case

Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the AD Rules or the Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) initiated a Mid Term Review anti-dumping investigation on 10<sup>th</sup> February, 2011, into alleged dumping of Phenol (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from Chinese Taipei and USA (hereinafter referred to as the subject countries). The original investigation was initiated on 11<sup>th</sup> January, 2007 against imports of

Phenol originating in and exported from Chinese Taipei and USA, USA and Taiwan. The provisional antidumping duty was imposed on imports of Phenol from all the three countries vide Customs Notification No. 105/2007-Customs dated 19<sup>th</sup> September, 2007 on the basis of the Preliminary Findings of the Authority issue vide Notification dated 29<sup>th</sup> August, 2007. The Final Findings were notified by the Designated Authority vide Notification No 14/5/2006-DGAD dated 07<sup>th</sup> January, 2008, and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the imports of the subject goods from the above mentioned countries vide Notification No 30/2008-Customs dated 03<sup>rd</sup> March, 2008.

2. And whereas Rule 23 of the AD Rules requires the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of anti-dumping duty, and if the Authority is satisfied on the basis of positive information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the Authority may recommend to the Central Government for its withdrawal. In terms of the legal provisions, the Designated Authority received an application from one of the exporters of the subject goods, namely, M/s. FCFC, Chinese Taipei and importer M/s Century Plyboards (I) Ltd substantiating the need for a Mid Term Review (MTR) of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from Chinese Taipei and USA and requested the Authority for withdrawal/revision of the anti dumping duty. The above mentioned exporter and importer submitted that due to change in major parameters, such as increase in price of the basic raw materials, increase in the export price of the subject goods from Chinese Taipei and USA to India and substantial increase in domestic prices of the subject goods in India as also substantial increase in domestic price of the subject goods in Chinese Taipei and USA, there is a need to review the anti dumping duty imposed by the Authority. It has further been argued that dumping from Chinese Taipei and USA by the subject exporter does not exist at all and there is a need for downward revision of the dumping margin and consequent duty which is in place.

3. This change in circumstances, on the basis of prima facie evidence, was considered appropriate by the Authority to initiate the Mid Term Review. Having decided to review the Final Findings notified vide Notification No. 14/5/2006-DGAD dated 07.01.2008, the Authority initiated the investigations vide Initiation Notification No 15/01/2011-DGAD dated 10.02.2011 in terms of the Rule 23 of the AD Rules, to review the need for continued imposition of anti dumping duty on the subject goods being imported from the subject countries.

#### **PROCEDURE FOLLOWED IN THE INVESTIGATION**

4. The procedure described below has been followed in the present investigation:

- i) The Authority received an application from M/s. FCPC, Chinese Taipei and M/s Century Plyboards (I) Ltd, an importer of subject goods for review of the anti dumping duty in force on the imports of Phenol from Chinese Taipei and USA.
- ii) Having satisfied itself that the petitioner has produced sufficient prima facie information substantiating the need for a mid-term review, the Authority initiated the Mid Term Review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of the subject goods originating in or exported from Chinese Taipei and USA vide Notification No. 15/02/2011

**dated 10.02.2011 under Rule 23 of the AD Rules. The scope of the present review covers all aspects of the original Notification.**

iii) The Embassy of the Government of USA and Economic and Cultural Centre, Chinese Taipei in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6 (2), with a request to advise all the exporters/producers in their country to respond to the prescribed Questionnaire within the prescribed time.

iv) After initiating the review, the Authority sent Exporter Questionnaires, along with the Initiation Notification, to all the known producers and/or exporters of the subject goods in the subject countries in accordance with the Rule 6(4) of the AD Rules to elicit relevant information.

v) The following producers and exporters have filed response to exporters questionnaire.

- M/s Formosa Chemicals and Fiber Corporation (FCFC), Chinese Taipei- producer and exporter
- M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation (TPCC)- producer and exporter
- M/s Chang Chun Plastics Co. Ltd (CCP), Taiwan- producer and exporter
- M/s Kolmar Group AF, Switzerland (Exporter);
- M/s Mitsui and Co. (Asia Pacific, Singapore)- Exporter;
- M/s Mitsui and Co. PTE, Japan- Exporter

vi) Importer Questionnaires were sent to the following known importers, consumers, industrial users of the subject goods in India, calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- C. J. Shah and Company, Mumbai
- Haresh Kumar and Company, Mumbai
- PCL Industries New Delhi
- Kantilal Manilal and Company Mumbai
- Sonkamal Enterprises Mumbai
- Khetan Brothers Mumbai
- Shubam Dyes & Chemicals Limited Delhi
- Acron Enterprises Ahmedabad
- Naiknavare Chemicals Limited Mumbai
- Paras Dyes & Chemicals New Delhi
- Torrent Pharmaceuticals Limited Gujarat
- United Phosphorous Ltd. Mumbai
- Resins & Plastic Ltd. Mumbai
- Kailash Polymers New Delhi
- Centrum Metalics Pvt. Ltd. Mumbai
- Wonder Laminates Pvt. Ltd. West Bengal
- Meghdev Enterprises Ahmedabad
- Satguru International New Delhi
- High Polymer Labs Ltd. New Delhi
- Rainbow Colours & Chemicals Gujarat
- Bleach Marketing Pvt. Ltd. Gujarat

- Karmen International (P) Ltd. Tamil Nadu
- Krishna Antioxidants Pvt. Ltd. Mumbai
- NGP Industries Ltd. New Delhi
- Farmson Pharmaceutical Gujrat Ltd. Baroda
- India Glycols Ltd. New Delhi
- Singh Plasticisers and Resins (I) Pvt. Ltd. New Delhi
- National Plywood Industries Ltd. West Bengal

vii) None of the above filed any response to the Importer Questionnaire in the form and manner prescribed. Responses, however, from the following interested parties were received:

- Merino Panel Products Ltd;
- Green Ply Industries Ltd,
- Exim-Corp India Pvt Ltd.
- ARCL Organics Ltd.
- M/s Agarwal Chemicals.
- Century Plyboards (I) Ltd.

viii) Investigation was carried out for the period of investigation (POI) starting from 1<sup>st</sup> January, 2010 to 31<sup>st</sup> December, 2010. However, injury examination was conducted for the period starting from 2007-08, 2008-09, 2009-10 and the POI. For likely hood of injury and dumping, the post POI information from producers and exporters and also from domestic industry for Jan –June 2011 was also analysed.

ix) A request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata, to arrange details of imports of subject goods in India for the period of investigation and the preceding three years and also POI. The Transaction-wise data in respect of imports of subject goods under various customs classifications for the period of investigation and preceding three years has been provided by Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S). It is also noted that the domestic Industry has furnished data based on IBIS (Secondary Source) in respect of imports of subject goods from the subject country under various customs classifications. Further, the Domestic Industry also submitted details of imports sourced from DGCI&S. It is also noted that the applicants have submitted details of import statistics from subject countries as reported by Taiwan Customs on their website and also from US ITC. The Authority has crosschecked the imports data as reported by the Exporters and other sources to come to a fair conclusion.

x) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers /exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also made available to other interested parties, wherever requested.

xii) The Authority held an oral hearing on 18<sup>th</sup> August, 2011 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6). The parties who attended the oral hearing were advised to file written submissions of the information

presented orally. The interested parties were allowed to present rejoinders on the views/information presented by the other interested parties. The Authority has considered submissions received from the interested parties appropriately.

xiii) The Authority, during the course of investigation, satisfied itself as to the adequacy and accuracy of the information supplied.

xiv) The Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry and producers/exporters to the extent considered relevant and necessary. Additional/supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.

xv) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7) of the Rules.

xvi) Cost investigations were conducted to determine non-injurious price based on the cost of production of the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry or that the domestic injury will not face any injury in the event of revocation of duty.

xvii) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded its analysis on the basis of the facts available.

xviii) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xix) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in Final Findings.

The following interested parties submitted their response to the disclosure statement:

- Allied Resins & Chemicals Ltd.
- Green Ply Industries Ltd
- Exim-corp India Private Ltd

- ARCL Organics Ltd.
- M/s HOCL, the domestic industry.
- M/s Century Plyboard (I) Ltd
- M/s Eximcorp (I) Pvt Ltd
- M/s Mitsui & Co Ltd, japan
- M/s Mitsui & Co (Asia Pacific), Singapore.

It is also noted that the submissions made by above mentioned interested parties pursuant to the issuance of disclosure statement has been dealt in the appropriate headings of the final finding.

(xx) \*\*\*\* in this final findings represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

#### **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

5. The Product under Consideration, as in the original investigation and also in the present review application is Phenol. Phenol is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act.

#### **Views of the Domestic Industry**

6. The product involved in the original investigation, and in the present midterm review investigation is Phenol. The product under consideration in the present midterm review is the same as has been held by the Designated Authority in the previous investigations.

#### **Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested Parties**

7. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties have filed any comment or submissions with regard to the product under consideration and the like articles.

#### **Examination by the Authority**

8. The Authority notes that Product under Consideration, as in the original investigation and also in the present review application is Phenol. Phenol is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. However, imports are reported under Chapter 27 also. The product is classifiable under Customs Tariff heading no. 2907.11 and 2707.60. The Customs classifications are, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. As per the original investigation carried out by the Designated Authority, the product has been defined as under:

*"Phenol, is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The product is classifiable under Customs Tariff heading no. 2907.11. The product is marketed in two grades Crystalline and Hydrated. The two grades are differentiated on the basis of flow characteristics of Phenol. The product is marketed in two forms - loose and packed. Loose sales are normally in bulk, whereas packed consignments can be of much smaller container loads. Phenol is used in the manufacture of Phenol formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A Alkyl Phenols Pharmaceuticals, Dephenyl Oxide etc."*

9. There is no comment from any party with regard to scope of the product under consideration. The present investigation is a midterm review investigation. The scope of the product under consideration in the present investigation is, therefore, the same as in the original investigation. The Authority concludes that there is no difference in Phenol produced by the domestic industry and imported from the subject country.

Under Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules, like article means an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under examination. On the basis of examination, it is noted that Phenol produced by the domestic industry and sold in the domestic market and those imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology (followed by most of the producers world over), functions and uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Phenol produced by the petitioners is treated as like article to the subject goods imported from subject countries.

### **STANDING OF THE DOMESTIC INDUSTRY**

10. With regard to the standing of the domestic industry, Rule 2(b) states as under:

*"Domestic Industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry.*

11. The present Mid-term Review investigation has been initiated based on an application filed by one of the exporters from Chinese Taipei, namely, M/s FCFC and Century Plywood, Response to the Initiation of Mid-term Review investigation has been received from one of the domestic

producers in India namely M/s HOCL. Though, M/s SI group has supported M/s HOCL in opposing the present review and has submitted limited information with regard to production and capacity, no response in the form and manner of domestic industry proforma was submitted by them. M/s HOCL submitted the costing and injury information in the form and manner of application proforma for domestic industry. Further, as per available information, it represents 55% of the total domestic production in India. None of the interested parties have raised any issue with regard to the standing of the Domestic Industry. M/s HOCL therefore, is treated and considered by the Designated Authority as the domestic industry under Rule 2(b) of the AD Rules.

## **OTHER ISSUES**

### **Views of the Domestic Industry**

12. Views expressed by the Domestic Industry are as under:
  - a) Scope of the Mid-term Review is substantially different from scope of the Sunset Review.
  - b) There is no justification for the proposed premature withdrawal of anti dumping duty on imports of the subject goods from Chinese Taipei and USA. The Petitioner has provided no information to establish need for withdrawal. Submissions made by Petitioner are unsubstantiated and do not justify any change in the duty whatsoever, leave aside premature withdrawal of anti dumping duty.
  - c) In a mid-term review “no dumping” by the exporter in question is not sufficient for modification of the duty.
  - d) In order to examine whether the product is likely to be dumped by the exporter with the modification or withdrawal of the anti dumping duty, the Designated Authority is required to examine whether exporter is dumping goods to other countries.
  - e) The onus of establishing that there is a need for modification or withdrawal of anti dumping duty in force lies on the petitioner and not on the Domestic Industry.
  - f) Petitioner has claimed excessive confidentiality on various information filed before the Designated Authority.

### **Views of the Applicant and other interested parties (other exporters/importers/end users)**

13. They have expressed their view as under:
  - i. Normal value and basic raw material (Naphtha) prices have increased due to change in the exchange rate and prices of crude oil compared to the original investigation.

- ii. Increase in export price of Phenol is much more than the increase in raw material prices due to imbalance in supply and demand of Phenol.
- iii. Export price of M/s FCFC, Chinese Taipei is much higher than the price in the home market.
- iv. Imports are necessary to bridge the gap between demand and supply.
- v. The review should cover all the countries from which the import of Phenol in to India is subject to anti-dumping duty rather than just one country, i.e., Chinese Taipei and USA, notwithstanding the absence of any formal requests from other sources in view of the overwhelming changes in circumstances making it incumbent upon DGAD to exercise its powers consistent with its obligations under the relevant Statute.
- vi. The Review should cover the entire interregnum period.
- vii. The form of duty needs an urgent re-evaluation as the existing fixed specific rate of duty is not at all suited to the product under consideration.
- viii. Imposition of antidumping duty violates the public interest.
- ix. Excessive confidentiality shall not be granted to the data presented by the domestic industry. In all determinations where the duty has been recommended on variable basis, the normal value has been disclosed and notified, the same should be done in the instant case, particularly when the normal value is the constructed normal value, the basis whereof is fully discussed in the same finding without disclosing the numbers.
- x. Constructed normal value should not be from Cumene, which is an intermediate product, but should be from benzene and propylene.

#### M/s Century PlyBoards India Ltd. Calcutta

14. The following submissions were made:
- i. This is the mid-term review investigations. Therefore, methodology or basis of allocation and apportionment of cost of production and constructed normal value should not be changed for this investigation as from the one Hon'ble Authority had adopted in the original findings. The domestic industry has claimed constructed normal value in their submissions from Cumene stage. However, domestic industry had claimed in the petition of original case constructed normal value from Benzene and Propylene as a raw material and Authority has adopted this methodology. Therefore, it is submitted that the methodology or basis of allocation and apportionment should remain the same and not changed from that adopted during original investigation.
  - ii. Although price undercutting exists on paper, it could be only due to a high domestic sales realization of the domestic industry. Further, the petitioner submits that selling price of domestic industry was high not only from fair selling price but also as compared to

international market. Therefore, the Authority should examine the change in the prices in the exporting countries and International market and also whether Domestic Industry is exploiting the situation by raising the prices above the international level by taking advantage of anti-dumping duty.

**M/s. Mitsui & Co, Ltd., Japan and M/s. Mitsui & Co (Asia Pacific) PTE Ltd Singapore”)**

15. The following submissions were made:
  - i. Although the Volume of Imports from US and Taiwan has increased however, the increase in the sales is not substantial and has not affected the sales of HOCL. Further, the price of the imports from Taiwan has increased by 18% and the price of the imports from US has increased by 14% over the Injury Period.
  - ii. The share of HOCL and SI Group in the total Demand in the country has not been affected by the imports. Hence, no injurious effect of the imports can be seen and market share of the Domestic Industry has remained unaffected.
  - iii. Despite Anti Dumping duty in place export volumes to India have increased to meet the demand supply gap. Export price during the period has increased by more than 96% and the volumes have remained same. The increase in Export Price which has almost doubled is far more than increase in raw material prices.
  - iv. During the original investigation none of the Exporters from Taiwan and other countries participated and the Designated Authority assessed Dumping Margin based on best available information and the Dumping Margin was assessed as 21% and Anti Dumping Duty equal to 137 US\$ per MT was imposed. With the existing Normal Value, export prices from Taiwan and Prices as well as Non-injurious Price of the Domestic Industry the exporters are not dumping and also the Injury margin in respect of exports from Taipei is negative. There is no price suppression and no Price depression.
  - v. The Domestic Industry in its submissions has worked out the Dumping Margin based on constructed cost. The Domestic Industry has worked out 13% negative Dumping Margin for all exports from Taiwan. All participating exporters/producers from Taiwan have also claimed negative Dumping Margin.
  - vi. The Domestic Industry is consistently earning an ROCE ranging between 70% to 220% for the last five years. Per Mt profit as % of sales is as high as 43.28% during the period of investigation. Above parameters clearly show that there is no adverse impact of alleged dumping and consistent improved performance of the Domestic Industry is an indication of stable condition of the Domestic Industry. This fact also demonstrates that the Domestic Industry will not be adversely affected if the Anti Dumping Duty imposed on imports from Taiwan is removed or withdrawn.
  - vii. The increase in prices of Phenol in Domestic market is consistent and stable and continuing beyond the period of investigation of the MTR. Further increase in prices of

- Phenol by the Domestic Industry is far more than increase in raw materials and other costs.
- viii. That the trends of increase in price both in India as well exports from Taiwan are not only consistent but stable also and will continue to exist once Anti Dumping Duty is removed. If the Anti Dumping Duty on Phenol from Taiwan is removed, prices from Taiwan will further increase to the extent of existing Anti Dumping Duty which is neutralized in the present pricing system.
  - ix. Demand of subject goods in India is much higher than the capacity of the Indian Domestic Industry. In such a situation the gap is bound to be filled with imports. When the Domestic Industry is making bumper profit and there is a gap between demand and supply, Anti Dumping Duty imposed has become counterproductive and results in undue burden on the end user.
  - x. Aim of imposition of Anti Dumping Duty is to remove unfair trade practice. Exporters from Taiwan are not dumping and there is no injury to the Domestic Industry. In such a situation Anti Dumping Duty in respect of imports of Phenol from Taiwan should be removed immediately.

**Written submission Allied Resins & Chemicals Ltd., Green Ply Industries Ltd, Exim-corp India Private Ltd, ARCL Organics Ltd.**

16. The following submissions were made:
- i. The size of the Indian market is very small and there should not be any fear of third country exports being diverted to India in the event of withdrawal of anti-dumping duty.
  - ii. The conditions prevailing at the time of the original investigation have altered significantly and there is no justification for continued imposition of duty.
  - iii. Import prices from all the countries including USA and Taiwan have gone up considerably. The raw material prices have increased only by Rs.569 PMT and import prices have increased by a whopping Rs. 35,422 PMT. Therefore, difference between the landed value and the NIP would be far too lower or non-existent.
  - iv. Further, the data would show that the import prices have been ruling at a far higher level for the past four years. Therefore, it is both obligatory and necessary for the DGAD to reassess the injury margin and based on it, it shall decide on the continuation or withdrawal of duty.
  - v. Determination of the margin of dumping and the injury margin during the review period is relevant criterion in determining the likelihood of dumping causing injury to the domestic industry. There is no likelihood of dumping causing injury to the domestic industry as required under law.

vi. The NIP should be calculated based on Annexure II to the Rules.

**Views of interested parties after disclosure statement**

**Views of M/s Eximcorp, CenturyPly, Allied Resins & Chemicals Ltd., Green Ply Industries Ltd, Exim-corp India Private Ltd, ARCL Organics Ltd.and other importers, users and exporters after disclosure statement**

17. These importers and users have requested the Authority to confirm the analysis of the Authority in determination of dumping margin, injury margin, and likely hood of injury margin. However, they have requested the Authority to examine the issue of confidentiality claimed by the domestic industry and give Authority's ruling on it. Some of them have requested the Authority to grant reference price rather than fixed duty in its determination should the Authority give a positive findings of likely hood of injury on the basis of examination. Some of the importers have requested to examine the imports of the countries attracting anti dumping duties and take off duties on those countries if subject goods are not being dumped from those countries and no injury to domestic industry are taking place on account of imports of subject goods from these countries. Some of them have requested the Authority to examine the issue of public interest as well.

18. **Views of the domestic industry after disclosure statement**

- i. Petitioner did not disclosure full factual information on exports to India at the initial stage.
- ii. Dumping margin in respect of subject goods from subject countries is more than de-minimus during the POI.
- iii. The injury margin is negative. The same is however due to unrealistically low non injurious price determined by the Designated Authority.
- iv. Imports are undercutting the domestic prices and margin of undercutting is found to be positive. Thus, in the event of withdrawal of anti dumping duty, the domestic industry would be forced to reduce the prices. Withdrawal of anti dumping duty would therefore have adverse price effect.
- v. Net Sales Realization of domestic industry is above non Injurious price determined. The same however is entirely immaterial.
- vi. The observation of no likelihood of recurrence of dumping and injury to the domestic industry is without any basis.
- vii. Domestic industry submits that the performance of the domestic industry has improved as a result of imposition of anti dumping duties. The improvement in performance was not, however, of lasting nature.

**Examination by the Authority with regard to views of the interested parties after disclosure statement**

19. The submissions made by the interested parties have been examined by the Authority in terms of relevant provisions of the Anti-Dumping rules. With regards to the post disclosure submission by the domestic industry, the authority notes that the same have been appropriately dealt with in these findings. The authority has also examined the likelihood of injury to the domestic industry based on all the relevant parameters and notes that there is no likelihood of injury to the domestic industry. The authority further notes that the NIP for the domestic industry has been determined based on the provisions of the Anti-Dumping rules and the consistent practice followed by the authority in this regard. The authority further notes that the NSR of the domestic industry has been consistently found to be higher than the NIP both in the POI and in the Post POI period.

20. With regard to the views made by importers, users and exporters, it is noted that imports of subject goods by countries attracting anti dumping duties are mentioned in the injury determination. As the investigations are initiated against the subject countries only, the examination of dumping and likely hood of injury has been examined only from imports from those countries. With regard to grant of confidentiality, it is noted that all the volume parameters of the domestic industry have been disclosed in the final findings while the price parameters have been kept confidential (while giving in the indexed form) in keeping with consistent practice of the Authority. The other submissions by the interested parties are appropriately dealt with in the findings.

**Continuation of Dumping and determination of dumping margin.**

**Views of other importers, users and interested parties including M/s Century Plyboards (I) Ltd**

21. This is the mid-term review investigations. Therefore, methodology or basis of allocation and apportionment of cost of production and constructed normal value should not be changed for this investigation as from the one Hon'ble Authority had adopted in the original findings. The domestic industry has claimed constructed normal value in their submissions from Cumene stage. However, domestic industry had claimed in the petition of original case constructed normal value from Benzene and Propylene as a raw material and Authority has adopted this methodology. Therefore, it is submitted that the methodology or basis of allocation and apportionment should not remain the same and not changed from that adopted during original investigation.

22. The change in the prices in the exporting countries and international market should be considered for lasting nature and whether domestic industry is exploiting the situation by raising

the prices above the International level by taking advantage of anti-dumping duty, should also be investigated by the Authority.

**Submission on behalf of exporters of subject goods from Japan and Singapore and produced by Taiwan**

23. The following submissions were made:

- i. The Exporter submitted that it has fully co-operated with the Hon'ble Designated Authority and has provided all necessary information as required.
- ii. The normal value calculations depicted by HOCL do not disclose any sources for calculations made to obtain the ex-factory prices. For instance, there is no source provided for Salary and Wages, Administration Overheads, Selling and Distribution overheads, Interest Costs etc. Further, no summary or ranges of such figures have been provided.
- iii. That these normal values are constructed based on Cumene prices, which are irrelevant for Phenol cost construction by HOCL's own admission. Hence, the Normal Value should be constructed based on Benzene costs and then be admitted as "constructed normal value". The Exporter, therefore, requests the Hon'ble Designated Authority to verify the reliability of the normal value calculation.
- iv. The Export Price calculations mention adjustments which have been provided without any source. No source has been provided for adjustments like freight, commission, port expenses etc, whereby the reductions made to obtain ex-factory export price remain dubious.
- v. Even if it is noted that the dumping margin calculation establishes that there is no dumping from Taiwan, and minimal dumping from USA relying upon the USITC database (about 2%). Therefore, even the Domestic Industry does not dispute that presently, there is no case of dumped imports from the subject countries.

**COMMENTS TO THE DISCLOSURE STATEMENT ON BEHALF OF M/s. MITSUI & CO. LIMITED FROM JAPAN AND M/s MITSUI & CO ASIA PACIFIC PTE, SINGAPORE**

24. It has been submitted that M/s Mitsui Japan as well as M/s Mitsui Singapore have both cooperated with the Hon'ble Designated Authority. With regard to non grant of individual dumping margin for the chain involving both the exporters, it has been submitted that the Dubai entity is unrelated to the Cooperating Exporters, and the fact is that the export chain in so far as the Cooperating Exporters is complete and verified. It has also been submitted that the transactions made through the Dubai entity is a small percentage of Mitsui Singapore's total exports to India in the period of investigation (ex-Taiwan). The Dubai entity is unrelated and independent and took a commercial call not to cooperate in this investigation. While the law permits that a non-cooperating exporter may be penalized, a co-operating exporter cannot be penalized. The fact is that as far as Mitsui Singapore's exports to India are concerned, the

chain has been completely verified and on this basis the export price can be calculated by the Hon'ble Designated Authority.

### **Examination by the Authority**

25. The authority notes that though the complete chain of exports to India involving both the entities i.e M/s Mitsui & Co , Japan and M/s Mitsui & Co Asia Pacific PTE, Singapore for the subject goods sourced through Chinese Taipei ( M/s FCFC and M/s TPCC) are not been complete as some part of the shipments to India have been exported through Dubai entity ( M/s Petrochem Middle east FZE) who has not cooperated before the Authority and submitted their export price to India during investigations. Though sales to M/s petrochem, Dubai was identified during the verification; its sale price to India for subject goods exported through Mitsui group of companies and sourced from Taiwan was not made available to the Authority. This was also elaborated in the verification report made available to the exporters. In the absence of complete chain of transactions of exports, the authority is unable to grant individual dumping margin to the chain involving both the entities i.e M/s Mitsui & Co , Japan and M/s Mitsui & Co Asia Pacific PTE, Singapore for the subject goods sourced through Chinese Taipei ( M/s FCFC and M/s TPCC).

### **Other Submission on behalf of importers and users**

26. The following submissions were made:

- i. Anti-dumping duty has to be withdrawn or reduced if the margin of dumping or injury has altered during a review investigation.
- ii. In a mid-term review investigation authority is to determine the likelihood of dumping causing injury to the domestic industry. In other words, designated authority has to determine whether in case the anti-dumping duty is removed on the subject product, the injury is likely to recur or continue in such circumstances.
- iii. Determination of the margin of dumping and the injury margin during the review period is relevant criterion in determining the likelihood of dumping causing injury to the domestic industry.
- iv. In *Forum of Acrylic Fibre Manufacturers Vs. Designated Authority*, 2006 (202) ELT 257, Hon'ble Tribunal upheld the findings of the Designated Authority in a mid-term review investigation to withdraw the anti-dumping duty after the authority determined that the landed value was much higher than the non injurious price.
- v. Thus, it is clear that to determine the issue of continuance of duty, present injury trends and the injury margin has to be determined. However, no information is available

regarding the price undercutting or underselling from the non confidential version of the submission made by the domestic industry. Domestic industry is well aware of the consequence of such disclosure and thus has not revealed the vital information.

### **Views of domestic industry**

27. The following submissions were made on behalf of domestic industry:
- i. In the review cases, the duties are required to be continued even with negative margin of dumping, unless it is established that there is no threat of dumping and consequent injury in the event of revocation of the anti dumping duty.
  - ii. The Designated Authority may consider an appropriate methodology or basis of allocation and apportionment of cost of production and apply the same for the construction of normal value.
  - iii. Determination of dumping margin should be done on monthly based analysis, as the price of the raw material changes substantially on monthly basis making it difficult to show the actual fluctuations in the dumping margin.

### **Examination by the Authority**

28. The Authority has examined the contention of various interested parties and after examining the same, normal value and export price has been determined. It is further noted that normal value has been determined based on responses filed by cooperating producers and exporters from Taiwan after taking into account the domestic sales price of subject goods of these producers and their costs of production. Export price has been determined net of adjustments which have been verified by the Authority. As there is no cooperation from any of the producers and exporters from USA during the investigation, normal value has been constructed taking into account the international prices of raw materials and other costs as per the best information available and after adding 5% profit margin. It is noted that the Authority have analyzed the data culled out from transaction wise data as received from DGCIS and also from the data made available by the petitioner from UNCOM trade and USITC for POI as well as Post POI. It is recalled that the Authority sent questionnaire to the known exporters of subject goods from Chinese Taipei. It is noted that exports quantity of three cooperating producers and exporters match the information made available from Taipei Customs and hence the Qty and value of imports of subject goods from Chinese Taipei have been taken from cooperating producers and exporters from that country and Taiwanese Customs information. For post POI, as well, the Authority has taken into account information made available from Taiwan customs data. It is noted that DGCIS transaction data in the case of Taiwan shows lesser quantity for the POI and hence they have not been taken into account for POI as well as post POI period for the purpose of examination of likely hood.

29. The Authority had asked all known producers and exporters from subject countries to submit information in the form and manner of exporters questionnaire. In response to the same, the following producers and exporters have submitted Exporters Questionnaire and have requested the Authority to base their dumping margin determination on the basis of their questionnaire response.

- M/s Formosa Chemicals and Fiber Corporation., Chinese Taipei, (FCFC)
- M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei, (TPCC)
- M/s Chang Chun Plastics Co., Ltd. Chinese Taipei, (CCP)
- Kolmar Group AG Switzerland.
- Mitsui & Co. Japan
- Mitsui &Co (Asia pacific), Singapore.

30. It is noted that M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation., Chinese Taipei, M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei, M/s Chang Chun Plastics Co., Ltd., Chinese Taipei, are producers and exporters of subject goods. It is also noted that M/s FCFC has exported the subjects directly as well as through Kolmar Group AG Switzerland . It is further noted that M/s TPCC has exported the subject goods directly as well as through Kolmar and Mitsui & Co. Japan which have exported the subject goods through Mitsui &Co (Asia pacific) to India. Both the traders have also filed Questionnaire Response and have requested that they may be granted individual treatment.

#### **General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Value**

31. It has been contended by the Domestic Industry that there had been volatility of the prices of the subject goods during the Period of Investigation. The Authority has, therefore, done a month-wise analysis of the entire data for the determination of dumping. Necessary data from the cooperating producers/exporters was called for undertaking the analysis on a month-wise basis which was submitted, and Dumping Margin has been assessed on monthly basis.

32. The Authority has assessed the Normal Value based on the information submitted by the exporters and in accordance with the Rules. It was first seen as to whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters/producers in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal Values on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets. The information so provided has been relied upon to determine separate weighted average domestic selling price for the subject goods. For the determination of the ordinary course of the trade test, the costs of production of the product concerned have been accepted as verified during the on-the-spot verification. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the

subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not. Wherever the profitable domestic sales transactions were found to be accounting for more than 80% of the total sales, the weighted average price of the domestic sales have been taken into consideration. However, wherever the profitable sales volume were found to be less than 80%, the weighted average price of the profitable domestic sales has been taken into consideration.

**M/s Formosa Chemicals and Fiber Corporation, Chinese Taipei**

33. The response filed by the company was perused, which has been filed month-wise information. It is seen from the questionnaires response that the company have given month-wise costing for the products. SGA expenses have been claimed on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted as verified during the on-the-spot verification for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. Adjustments thereof have been allowed as noted and verified during the on-the spot verification. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

**M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation, Chinese Taipei**

34. The response filed by the company was perused, it is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing. It is also noted that the Company has sold \*\*\*\* Mt of subject goods to CCP which has been exported to India by CCP. These sales transactions have been reported by TPCC as domestic sales in Appendix-1. It is also noted that the SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted as verified during the on-the-spot verification for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. Adjustments thereof have been allowed as noted and verified during the on-the spot verification. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

**M/s Chang Chun Plastics Co., Ltd, Chinese Taipei,**

35. The response filed by the company was perused, which has been filed month-wise information. It is seen from the questionnaires response that the company have given month-wise costing for the products. SGA expenses have been claimed on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted as verified during the on-the-spot verification for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. Adjustments thereof have been allowed as noted and verified during the on-the spot verification. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

**Normal Value in respect of USA**

36. Since no response has been received from any producer/exporter of the subject goods from USA; the Authority has determined the Normal Value in USA as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules. Data has been collated as per the information provided by the applicant and also from the transaction wise information received from DGCIS.

**EXPORT PRICE****General methodology for determination of export price for the responding exporters**

37. The Authority has examined the export prices in respect of responding exporters on the basis of questionnaire responses filed by them. The export prices and the adjustments thereof have been allowed after examination as noted during the on-the-spot verification.

**M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei**

38. The Applicant has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. FCFC has exported the subject goods directly as well through exporters/traders. Adjustments on account of ex factory expenses have been allowed as noted during the on-the-spot verification. It is noted that M/s FCFC has exported the subject goods directly to India and also through exporters

- Kolmar Group AG Switzerland.
- Mitsui & Co. Japan
- Mitsui & Co (Asia Pacific), Singapore

39. It is noted that M/s Kolmar group has submitted all the information regarding export prices to India on account of subject goods sourced from FCFC. The dumping margin for FCFC have been determined on account of exports of subject goods made directly by them to India and also through Kolmar as information pertaining to entire chain upto exports to India have been made to the Authority.

40. However, the similar information pertaining to entire chain up to exports to India have not been made available to the Authority on account of subject goods sourced from FCFC and TPCC and exported by M/s Mitsui & Co, Japan through M/s Mitsui & Co Asia Pacific, Singapore. It is noted during examination and subsequent verification that some of the subject goods sourced through FCFC and TPCC have been exported through another company in Dubai for exports to India for which no information was made available to the Authority. The copy of the report on verification of data for exports made through individual exports / manufacturers was made available to the respective interested parties. However, the comments on the verification report have been received from M/s Mitsui & Co. Japan and M/s Mitsui & Co. (Asia Pacific) Singapore. The authority has examined the comments of both the parties and it is noted that since the complete chain of exporters shipments from Taiwan through M/s Mitsui & Co. Japan and M/s Mitsui & Co. (Asia Pacific) Singapore and Dubai company to India are not available, it is proposed not to grant separate dumping margin for the chain involving Mitsui & Co. Japan and M/s Mitsui & Co. (Asia Pacific) Singapore. In view of the above, the Authority

has not granted separate dumping margin to the chain comprising of exports made through M/s Mitsui & Co, Japan and M/s Mitsui & Co Asia Pacific, Singapore.

**M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation., (TPCC), Chinese Taipei**

41. TPCC has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. TPCC has exported the subject goods directly as well through Exporter/Trader as mentioned in the table below. Adjustments on account of account of ex factory expenses have been allowed as noted during the on-the-spot verification. The dumping margins have been worked out taking into account separate chain of exporters which are complete and in respect of exports made through exporters who have exported the subject goods to India and those who have made submitted the details relating to the export price to India.

**M/s Chang Chun Plastics Co., Ltd. Chinese Taipei, (CCP)**

42. CCP has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. CCP has exported the subject goods produced by it directly to India. It is also noted that one consignment of subject goods sourced from TPCC have been exported to India during the POI and all information relating to the complete chain was made available to the Authority. Adjustments on account of all expenses to reach to ex factory price have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

**Kolmar Group AG Switzerland (Kolmar)**

43. Kolmar has exported the subject material sourced both from FCFC and TPCC. It is noted that subject goods sold to India by Kolmar are on CIF basis. Adjustments on account of ex factory expenses have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

**Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers from Chinese Taipei**

44. Since no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has determined the Export prices as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules. Data has been collated as per the information provided by the applicant, the co-operative exporters and by the Domestic Industry.

**Determination of Export Price in respect of Exporters/Producers from USA**

45. Since no response has been received from any producer/exporter of the subject goods from USA; the Authority has determined the Export prices as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules. Data has been collated as per the information provided by the applicant as well as transaction wise imports information received from DGCIS.

**A. DUMPING MARGIN**

46. Considering the month wise Normal values and Export prices as determined above, the dumping margins have been determined as follows:

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	Dumping Margin US\$/MT	Dumping Margin %
1	Chinese Taipei	M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation.,Chinese Taipei.	M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation.,Chinese Taipei.	****	1.63
2		M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation.,Chinese Taipei.	M/s Kolmar Group AG Switzerland	****	2.07
3		Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	****	8.51
4		Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	****	1.74
5		Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Chang Chun Plastics Corporation Taiwan	****	2.05
6		Chang Chun Plastics Corporation Chinese Taipei	Chang Chun Plastics Corporation Chinese Taipei	****	4.93
7		All other producers and Exporters from Chinese Taipei.	All other producers and Exporters from Chinese Taipei.	****	8.51
8	USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	****	2.96

**CONTINUATION OR RECURRENCE OF INJURY AND DETERMINATION OF CAUSAL LINK**

**Continuation or recurrence of injury**

**Submissions by the Applicant Exporter and importer**

47. There is a significant increase in the sales price of the domestic industry when compared with the original period of investigation. It has also been submitted that the domestic Industry is

making bumper profits and is not adversely affected by imports from Chinese Taipei and USA. Further, the injury examination should be made by considering cost of Cumene transfer to Phenol on cost basis. If the methodology should be changed, then the Authority should give opportunity to comments.

### Submissions by the domestic industry

48. The following submissions were made:

- i. Performance of the domestic industry has improved as a result of imposition of anti dumping duties. Parameters such as production, capacity utilization, sales volume, selling price, profits, return on investment, cash profit have shown improvement as compared with the dumping period. However, (a) this improvement is over the dumping, (b) performance is still adverse as compared to 2007-08 (pre-dumping period). In other words, the domestic industry has not fully recovered back to a situation which was established before dumping started.
- ii. Argued, that domestic industry is no longer suffering injury, the same is grossly insufficient for premature withdrawal of anti dumping duty. At the stage of Mid Term Review, the interested parties seeking revocation of anti dumping duty must establish "no injury to domestic industry is likely" in the event of withdrawal of anti dumping duty. It is reiterated that this obligation of establishing "no likelihood of injury" is not on the domestic industry. It is on the petitioner before the Designated Authority. The burden to establish "no need for continuation" cannot be shifted to domestic industry for the simple reason that the authority is required to determine the "justification for withdrawal of duty". The authority is not required to determine the "justification for continuation". As stated before, "justification for continuation" is different from "justification for withdrawal".
- iii. On non injurious price & injury margin, the domestic industry submits that comparison of non injurious price with net sales realisation is wholly irrelevant in a Mid Term Review.
- iv. The non injurious price is required to be determined considering gross fixed assets and that too at current market values. The original plant of the domestic industry is already fully depreciated. It cannot be expected that the domestic industry should "earn no profits" and merely because the investments are fully depreciated in the books. In fact, the domestic industry is entitled to profits on the basis of the present market value of these investments.

- v. The present case is the fittest case for reviewing the methodology of non injurious price determination on the basis of net fixed assets. The domestic industry requests the authority to kindly verify its books of accounts, which would show that original investments in Phenol plant are already fully depreciated.
- vi. There may be no or low imports of Cumene in this period, which is eventual raw material for Phenol. Should the Authority consider it appropriate to construct Cumene price, the domestic industry submits that following expenses need to be added to determine the market price of Cumene. It is important to point out in this regard that no business entity can buy material without incurring these expenses.
  - Ocean Freight (if price is FOB)
  - Marine Insurance (if price is FOB)
  - Customs Duty
  - Cess on customs duty
  - Port Expenses
  - Terminal handing charges
  - Bank Commission
  - Commission
  - Inland Freight from port to plant
  - Storage expenses and the port and then at the plant
  - Working capital investment

49. The Designated Authority has, in fact, considered gross fixed assets as the basis for determination of profits in the past. The decision was after due consideration and was applied for quite some time, and thereafter modified for no reasons publicly known.

- i. Indian freight from factory to extended warehouse within the country.
- ii. End period quantity discounts – the mere fact that this expense is “discount” should not imply that the same should be excluded for non injurious price determination. While it may be appropriate to deduct “on invoice” discounts as these are discounts given at the time of sale; “off invoice” discounts given as a matter of sales policies are end period discounts and have no relevance to import competition and therefore must not be deducted.

#### **Response from other interested parties (importers and users)**

50. The following responses were made:
- i. One of the most important parameters which needs to be investigated in a review is that whether the landed price of import are causing any price underselling. Any substantial change in terms of price underselling needs to be treated as a core parameter suggesting lasting nature of change in circumstances. In the present case there are evidences of a negative price underselling. In the event of landed price of imports are much higher than

- Non Injurious Price (NIP) there can't have any adverse effect on domestic industry from such imports.
- ii. The analysis of various economic parameters would show that there is no continued or likelihood of injury to the Domestic Industry. In fact, the DI has superb performance over the injury period.
  - iii. Sales volume of the domestic industry, in the domestic market has significantly increased in POI as compared to the original investigation. Further, it is also noted that sales volume of the Domestic Industry, in the domestic market has maintained at above its plant capacity in POI. Thus, there is no effect on the sales volume of the domestic industry.
  - iv. The estimated profit of domestic industry as about Rs.1,158 million in POI as against profit of Rs. 71 million during the original POI. This clearly establishes that domestic industry has earned huge profits at an approximate rate of Rs. 28,341 per MT during the current POI. Thus, performance of domestic industry is superb in POI as compared to original POI.
    - a. The return on investment earned by the domestic industry for subject goods improved significantly as compared to original POI. Similar is the situation of cash profit as well.
    - b. That whereas both the cost of production and selling price of subject goods increased over the injury period, the increases in the selling price were far more than increase in the cost of production. Thus, it is apparent that the price suppression/depression effect on the prices of domestic industry is missing during the POI.
    - c. The landed price to India from USA is more than non-injurious price (estimated) of domestic industry and 3<sup>rd</sup> countries export price is also higher than non-injurious price of domestic industry. Thus, price underselling is negative as compared to landed price from USA as well as compared to 3<sup>rd</sup> countries exports price of USA. Therefore, there is no chance of recurrence of injury to domestic industry in case Authority discontinues anti-dumping duty from USA.
  - v. It may be noted that the Selling price of HOCL has increased by 32% over the injury period and by 40% in the POI as compared to the earlier year. Hence, the imports from Taiwan and US are not affecting the selling price of HOCL.
  - vi. The imports of the subject goods from Taiwan and US have not had any adverse effect on the sales and prices of HOCL, therefore no volume effect or price effect as required has occurred which may be attributed to the imports from US and Taiwan. Therefore, the imports of the subject goods from US and Taiwan have not caused any injurious effect to the Domestic Industry.
  - vii. During the Period of Investigation the capacity utilisation is at 107%, which is also the highest during the injury period. The capacity utilisation of HOCL has not been adversely affected and does not show any signs of injury to the Domestic Industry.

- viii. The profitability of HOCL has shown a phenomenal rise in the Period of Investigation. The Costs of the Domestic Industry has appreciated negligibly while the Selling price of the Domestic Industry has increased substantially. Whereas, the Profits of the Domestic Industry have increased exponentially.
- ix. The Cost of Production per unit has increased marginally by 4% in the Period of Investigation, as compared to the earlier years. Whereas, the Selling Price of HOCL has increased by 32% in the injury period and by about 40% as compared to the earlier year. Hence, the Domestic Industry has been able to increase its Selling Prices and the marginal rise in costs has not had any injurious effect vis-a-vis the Selling Price.
- x. It would be against the mandate of the Anti Dumping Agreement to examine threat on the basis of mere speculation and the Hon'ble Designated Authority is requested to examine whether a "clearly foreseen and imminent" threat exists for the Domestic Industry. Only if the answer is a positive affirmative should the duties be continued.

### **Examination by the Authority**

#### **Continuation of Injury**

51. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of the Anti Dumping Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

52. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of AD Rules states as follows: "*The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.*"

53. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties. For analyzing the injury parameters, all relevant documents including the audited balance sheet of M/s HOCL, representing the Domestic

Industry have been examined and verified by the Authority. The issues relating to the interest of the Indian industry and other issues have been dealt by the Authority under appropriate headings. On the issue of consumers becoming non competitive on account of levy of anti dumping duty and the impact of anti dumping duty on end product, it is noted that the question of consumers becoming non-competing on account of levy of anti dumping duty on subject goods does not arise, particularly when the quantum of anti-dumping duty is restricted to lower of the dumping margin and the injury margin. Further, it is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

54. During the present investigation, the interested parties have argued that there is significant change in the prices of raw materials and consequently the sale realization, profitability of the domestic industry. It has also been argued that the landed values of subject goods have varied on a month to month basis during the POI. Therefore, the interested parties have desired for a month to month analysis of the cost of production, NIP, NSR and the landed values of the subject goods during the POI. Accordingly, all the interested parties were requested to make available the relevant data on a month to month basis. The designated authority has accordingly worked out, the NIP, NSR and the profitability of domestic industry on a month to month basis during the POI. The authority notes that the NIP of domestic industry has varied from Rs. \*\*\*\* per MT (Indexed 91.86) to Rs. \*\*\*\* per MT (Indexed 103.79). On the other hand the NSR of the domestic industry has ranged from Rs. \*\*\*\* (Indexed 96.50) to \*\*\*\*per MT (Indexed 152.17). The authority further notes that the NSR of the domestic industry was consistently higher than the NIP of the domestic industry. Therefore, the domestic industry has earned reasonable profits during the POI.

55. It has also been argued by some of the interested parties that the profitability of the domestic industry is significant primarily on account of depreciated values of the plant and machinery. Therefore, the arguments have been raised that the designated authority may consider determining the NIP for the domestic industry based on Gross value of assets. In this regard the authority notes that the returns on investments have been allowed by the authority based on the principles as laid down under the Anti-Dumping rules and in accordance with the consistent practice followed by the authority in all cases. As regards the arguments by some of the interested parties for adopting a particular methodology for determination of the constructed normal value for exports, the authority notes that as far as normal value of the subject goods is concerned, the authority addressed to all the interested parties to make available the relevant

information. Therefore, in such cases wherein the interested parties have furnished the required information and co-operated with the authority, the authority has considered the normal value based on such information. In the absence of the required information, from the exporters, the authority has considered the normal value based on best available information.

### Demand, Imports & Market Share of the Domestic Industry

56. The petitioners in the present investigation submitted the import data based on secondary sources i.e. US ITC for imports of subject goods from USA, DGCIS, IBIS and also from Taiwanese Customs and apart from the exporters own data. The Designated authority also addressed a communication to the office of DGCIS calling for the required information. The authority notes that for the POI, there are significant variances in the volume of imports as reflected in the Exporters data for the POI and the data made available by DGCIS. The authority further notes that the exporters from the subject country (Taiwan) have submitted detailing individual responses on the quantum of exports where along with the supporting documents. The exporters from the Chinese Taipei have substantiated the volume and price of exports based on their data. The authority for the present investigation has considered the import data based on DGCIS from all subject countries except Taiwan. However, in case of Chinese Taipei, since the volume of exports are noted to be lower in the DGCIS, compared to the admitted volume of exports from Chinese Taipei, the Authority has considered the exports based on the data as evidenced by Chinese Taipei customs which correlates well with the volume reported by the exporters in their response. Based on the above, the volume of exports from the subject countries along with the share of domestic industry in the total demand is detailed below:

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Sales of HOCL	MT	43,723	40,924	37,671	40858
Sale of SI Industries*	MT	29247	31451	31958	33754
Total Sales of Indian Domestic producers	MT	72970	72375	69629	74609
Trend	%	100	96.1	100	108
Subject country-Imports	MT	48921	27511	48408	63274
Trend	%	100	56.2	98.9	129
Other Countries-Imports subject to duty	MT	44113	60726	44370	31272

Trend	%	100	137.6	100.5	70.8
Other Countries not subject to duty	MT	7388	1911	9312	22039
Total Imports in India	MT	100422	90148	100090	116505
Trend	%	100	89.7	99.6	116.10
Total Demand in India	MT	173392	162523	169719	191194
Trend	%	100	93.7	97.8	110.3

### Imports in relation to various parameters

57. The Authority has analysed the trend of the subject imports in relation to production and consumption in India. It is noted that the volume of imports of the subject goods during the POI has gone up by around 29% during the POI over the base year. Further, the share of the subject countries in the total demand has also gone up from 48.7% in the year 2007-08 to 54.3% in the POI. Further, the share of Indian producers in the total demand has generally remained constant. However, the market share of the imports of subject goods in the total demand has been examined by the Authority in the light of limited production capacity available in the country, and the price impact of the imports on the Domestic Industry. The details of imports from the subject countries along with the sales of the domestic industry are summarized below:

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Imports from Chinese Taipei	MT	13555	2873	14778	20596
USA	MT	35366	24637	33630	42678
Imports from subject countries	MT	48921	27511	48404	63274
Imports from other countries subject to Anti-Dumping duty	MT	44113	60726	42370	31272
Imports from other countries not subject to ADD	MT	7388	1911	9312	22039

Total Imports	MT	100422	90148	100090	116585
Total Domestic sales	MT	72970	72375	69629	74609
Total Demand of Subject goods	MT	173392	162523	169719	191194
Imports from Chinese Taipei as % of demand	%	7.8	1.768	8.7	10.8
Imports from USA as % of demand	%	20.4	15.15	19.8	22.3
Imports from subject countries as % of demand	%	28.2	16.9	28.5	33.10
Share of Indian producers in demand	%	42.1	41.7	41.0	43.00

58. The Authority has determined the market share of the domestic industry by taking into account the total demand of the subject goods and sales of the Indian industry. It is noted from the table above that the market share of the Indian producers has generally remained constant as compared during the injury period and the period of investigation. However, the share of imports for the subject countries have marginally increased. The volume of imports from the subject countries have also increased substantially during the POI.

#### Production, Capacity & Capacity Utilization

59. It is noted from the table below that the production of the Domestic Industry has increased by 1% in the POI as compared to the base year. However, the capacity utilization during the POI was 107%.

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Capacity	MT	40,000	40,000	40,000	40,000
Production	MT	41,908	42,641	36,751	42,894
Trend		100	102	88	107

### Profitability

60. The authority notes that the cost of production of the domestic industry has marginally increased during 2007-08 and 2008-09. On the other hand the sales realisation of the domestic industry has declined substantially. However, during the POI the increase in the sales realisation was significantly higher than the increase in the cost of production. As a result, while the profitability of the domestic industry declined in the years 2008-09 and 2009-10, there was an increase in the profitability of the domestic industry in the POI. Similar trends were noted in the profits before tax of the domestic industry during the injury period and the POI.

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Cost of Production	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	101	102	106
Net Sales Realization	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	92	92	132
Profit/Loss	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	33	30	297
Profit before tax	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	23	22	227

### Employment and Wages

61. No significant trends of change in the no. of employees during the POI and the injury period have been noted. However, the wages costs of the company have increased on an overall bases as well as in terms of wages per employee.

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Number of employees	No	****	****	****	****
Trends	Indexed	100	94	94	100

<i>Wages</i>	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>	Indexed	100	102	105	139
Wage per employee	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	108	111	139

**Productivity**

62. No trends of change have been noted in the productivity per day and the productivity per employee during the POI over the base year of the injury period.

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Productivity per day	MT	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	102	88	102
Productivity per Employee	MT	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	102	88	102

**Return on investments and cash flow**

63. The return on investment has been determined considering profit before interest and tax and capital employed for the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. The return on capital employed of the domestic industry has shown divergent trends during the injury period and the POI. While the returns on capital employed declined in the first two years of the injury period, it has shown a substantial increase over the previous year as well as the base year this investigation. Similar trends have been noted in the cash profits and the profits per tonne on the subject goods.

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Profit/Loss	Rs./MT	****	****	****	****

<i>Trend</i>	<i>Index</i>	100	33	30	227
Profit before tax	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	100	27	26	222
ROCE	%	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	29	29	244
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	23	24	228

### Inventories

64. It is noted from the table below that the inventory level of domestic industry has marginally increased in year 2009-10 in the POI

Particulars	Units	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Opening	MT	2,307	492	2,209	760
Closing	MT	492	2,209	1,289	2,796
Average	MT	1,399	1,351	1,749	1,778
Stocks as no. of months sales		0.38	0.39	0.56	0.52

### Growth

#### Ability to raise capital investments

65. No arguments have been put forward by the Domestic Industry with regard to its ability to raise capital investments. The Domestic Industry has not indicated any plans to expand the capacity. With the level of profitability attained by the Domestic Industry, it is evident that there should not be any adverse impact on the ability of the Domestic Industry to raise capital investments if so desired.

### Level of dumping and dumping margin

66. The dumping margin in respect of subject goods from subject countries are more than de minimus during the POI.

### Price effect of imports

67. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in Chinese Taipei and USA were sold in the Indian market at prices which were higher than the domestic industry's prices. It is, thus, seen that imports were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is found to be positive.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Landed Value from Chinese Taipei	Rs./MT	73380	55840	60750	83830
Landed Value from USA	Rs./MT	67670	67790	48228	80310
Average landed value from subject countries	Rs./MT	69272	66541	52098	81616
Net Sales Realization	Rs./MT	****	****	****	****
Price Undercutting	Rs./MT	****	****	****	****
Price Undercutting	%	-	3-6	(15-25)	8-12

68. The price undercutting with respect to cooperating exporters have been worked out by the Authority and these are as follows:

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	price undercutting	Price undercutting %
1	Chinese Taipei	M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation., Chinese Taipei.	M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation., Chinese Taipei.	****	9
2		M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation., Chinese Taipei.	M/s Kelmar Group AG Switzerland	****	12
3		Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	****	4
4		Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	****	28
5		Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Chang Chun Plastics Corporation Taiwan	***	20
6		Chang Chun Plastics Corporation Chinese Taipei	Chang Chun Plastics Corporation Chinese Taipei	****	19
7	USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	****	18

69. The Authority has also examined price depression, price suppression and price underselling, if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. After examination, the authority notes that while in the year 2008-09 and 2009-10, the DI was not able to increase its selling price in line with exchange in the cost of production, but in the POI. The increase in selling price is significantly higher than the increase in the cost of production. A similar trend has been noted in the landed values of exporters. The domestic industry has also not suffered any price suppression during the POI.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	POI
Net Selling Price of Domestic Industry	Rs/MT	****	****	****	****
Indexed		100	92	92	132
Cost of Sales – Domestic	Rs/MT	****	****	****	****
Indexed		100	101	102	106
Landed Price	Rs/MT	69272	66541	52098	81616
Indexed		100	94	75	118

70. The Designated Authority determined the net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty and applicable cess. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been worked out for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. It is noted that the landed value of imports per MT, in period of investigation, is higher than the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation in respect of the subject countries. The underselling margin is found to be negative.

71. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margin has been determined in line with the determination of dumping margins as mentioned in the appropriate heading. The injury margins have been worked out as follows:

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	IM US\$/MT	IM%
1	Chinese Taipei	M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation.,Chinese Taipei.	M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation.,Chinese Taipei.	****	(25-30)

2		M/s Formosa Chemicals and Fibre Corporation.,Chinese Taipei.	M/s Kolmar Group AG Switzerland	****	(18-22)
3		Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	****	(22-27)
4		Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	****	(24-28)
5		Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Chang Chun Plastics Corpotation Taiwan	****	(30-35)
6		Chang Chun Plastics Corpotation Chinese Taipei	Chang Chun Plastics Corpotation Chinese Taipei	****	(30-35)
7		All other producers and Exporters from Chinese Taipei.	All other producers and Exporters from Chinese Taipei.	****	(22-27)
8	USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	**** ****	(10-15)
9	Subject Countries	All producers and exporters	All producers and exporters	**** ****	(12-17)

#### Likelihood of recurrence of injury in the event of its revocation

72. The Authority has to determined as to whether the subject goods are continuing to enter the Indian market at dumped prices or are likely to be exported at dumped prices from the subject countries in the event of withdrawal of anti dumping duties. It is pertinent to examine whether injury to the domestic industry is likely to recur due to these dumped imports if the duty is removed or varied. It has already been established that the actual landed value of imports from the subject countries to third countries were below the selling price of the domestic industry and the non injurious price determined for the domestic industry.

73. The Authority has also examined the likelihood of recurrence of injury to the domestic industry on the basis of information and evidence presented by the various interested parties during the course of the investigations. The Authority examined the likelihood of continuation or

recurrence considering the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules, which states as under:

*"A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the Designated Authority shall consider, inter alia, such factors and;*

- a. *a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.*
- b. *Sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.*
- c. *Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports and,*
- d. *Inventories of the article being investigated."*

### **Views of the Domestic Industry**

74. The Domestic Industry has submitted as under:

- i. The applicant has not given any material along with their petition that there is no likelihood of dumping and injury. In a midterm review investigation, it is insufficient for the exporter to establish that the product was not being dumped in the present review period. The exporter is required to establish that there was no dumping and there was no likelihood of dumping of the product in the event of modification or withdrawn of anti dumping duties. Similarly, mere non-existence of injury to the domestic industry is insufficient. The exporter is required to establish that there is no likelihood of injury in the event of modification or withdrawn of anti dumping duties.
- ii. Since the Designated Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury in a midterm review investigations, it follows that the applicant is required to provide relevant information and evidence in this regard.
- iii. In a review proceeding initiated by the Authority under Rule 23, there are three tests that are required to be considered by the Designated Authority:
  - identification of the specific factors which would constitute sufficient "changed circumstances" to warrant a review;

- The dumping and/or injury would be unlikely to continue or recur if the measures were removed or varied; i.e. a possibility of "no injury" in case of discontinuance of the anti-dumping duty needs to be established.
  - whether because of the existing measures the domestic industry has been able to offset injury and counteract dumping which was causing injury or the duty is no longer sufficient to counteract dumping which is causing injury.
  - Identification of the specific factors which would constitute sufficient changed circumstances to warrant a review;
- iv. The dumping and/or injury would be unlikely to continue or recur if the measures were removed or varied, i.e., a possibility of no injury in case of discontinuance of the anti-dumping duty needs to be established.
- v. Whether because of the existing measures the domestic industry has been able to offset injury and counteract dumping which was causing injury or the duty is no longer sufficient to counteract dumping which is causing injury.
- vi. It has been claimed that normal value has declined and export price has increased. However, this does not mean that there is no dumping. It is not even claimed by the petitioner herein that (a) the product is no longer being dumped and (b) it is unlikely that the dumping would continue or recur if the duties were modified or withdrawn. Nor there is any positive evidence provided in this regard.

75. Significant exports from Chinese Taipei and USA to various global markets, significant surplus capacities in the global market and fresh additions to the capacity in the foreseeable near future clearly establish existence of significant freely disbursable production capacities. It has been submitted that the likelihood test applies in mid-term review investigation as well.

76. Domestic industry submits that in a midterm review investigation, it is insufficient for the exporter to establish that the product was not being dumped in the present review period. The exporter is required to establish that there was no dumping and there was no likelihood of dumping of the product in the event of modification or withdrawn of anti dumping duties. Similarly, mere non-existence of injury to the domestic industry is insufficient. The exporter is required to establish that there is no likelihood of injury in the event of modification or withdrawn of anti dumping duties. In their submissions, the domestic industry has cited a number of cases/judgements from CESTAT substantiating their submissions that what is important in the review investigations is not the absence of injury but the evidences that absence of injury and injury margin determined by the Authority during the POI is of lasting nature and injury is not likely to recur absent the anti dumping duties.

**Views of the Applicant Exporter and other interested parties**

77. Applicant exporter (M/s FCPC, Taipei) have submitted as under:

- i. Prices of Phenol in India as well globally are on the rise and the trend of increase after the period of investigation. After the period of investigation of the current Mid Term Review investigation, the domestic Industry has increased the price of Phenol by more than 51%.
- ii. Export price from Chinese Taipei and USA has also shown the same trends. During the month of Dec 2010, the FOB price from Chinese Taipei and USA was US\$ 2000 per MT which is almost 40% higher than the prices prevailing during the period of investigation of the current Mid-term Review investigation.

**Views of other interested parties**

78. Other interested parties have submitted as under:

- i. Purpose of anti-dumping measure is not to facilitate the domestic industry to create a monopoly on prices, but to eliminate the trade-distorting effects of injurious dumping and, thus, to ensure fair competition in the Indian market.
- ii. Further, Domestic industry has argued on recurrence of injury and in support referred some previous findings and CESTAT decision during the hearing. Facts of this case are quite different because, in this case, (i) domestic industry is earning super/abnormal profit, (ii) Capacity of Indian producers is less than demand in India, and (iii) small scale industry is also consuming this product. Therefore, we would like to ask Authority, in this situation, can small user industries survive?
- iii. In this product domestic industry is enjoying anti dumping duty benefits since long back because of imposition of Anti Dumping Duty from different countries while this is a commodity product. Domestic industry would always demand that anti dumping duty should continue because they want to earn super profit in the shade of ADD and do not want to play fair competition. Therefore, they have requested for withdrawal of the ADD on Phenol.

**Examination by the Authority**

79. The Authority has examined the contention of various interested parties. It may be recalled that the Authority had called for additional information in a Supplementary Questionnaire from the cooperating exporters for the period of investigation as well beyond the period of investigation w.r.t estimated production, domestic sales, imports into Chinese Taipei

and USA and exports of the subject goods from Chinese Taipei and USA during two years after the POI and exports to other countries during the POI to examine the issues raised by the Domestic Industry in respect of likelihood of injury as mandated under Rule 23. In this regard the authority notes as under:

- i. **Volume of Exports Post POI:** In order to examine, the likelihood of dumping and injury to the domestic industry due to dumping of subject goods from the subject countries, the authority has undertaken a monthly analysis of the volume of exports of subject goods to India from the subject countries. The authority notes that the volume of exports from Chinese Taipei and USA during the period January 2011-June 2011 was MT 13907 & MT 10694 respectively. Thus, the quantum of exports from the subject countries during the period January 2011-June 2011 was 24601 MT. During the corresponding period in the previous year i.e. from January 2010-June 2010, the volume of exports from the subject countries to India was MT 12073. However, the volume of exports in the second half of the POI was 43550 MT. Therefore, the authority notes that there doesn't appear to be any significant surge in the volume of exports from the subject countries post the POI, so as to cause injury to the domestic industry.
- ii. **Profitability of Domestic Industry:** In order to examine the likelihood of injury to the domestic industry due to dumped imports, in the post investigation period, the authority has also undertaken a month wise analysis of the cost of production, net sales realization and the profitability of the domestic industry during the period from January 2011-June 2011. The analysis as above reveals that during the staid period the domestic industry have consistently made profits on the sales of the subject good. Further, the Net sales realization of the domestic industry was noted to be significantly higher than the NIP of the domestic industry for the corresponding months. Therefore, no evidence of price suppression and or depression has been noted during the Post POI period.
- iii. **Landed values of imports, Net Sales Realization (NSR) and NIP:** In the post POI period, the designated authority has also undertaken an analysis of the landed values of imports from the subject countries, vis-à-vis, NSR of the domestic industry. It is noted that the landed values of imports of Chinese Taipei were generally lower than the NSR for the domestic industry. However, in the months of February 2011 and June 2011 the landed values were marginally higher than the NSR. Similarly, in respect of USA the landed values of imports were noted to be lower than the NSR for the domestic industry, suggesting the existence of price undercutting. However, it was further noted that the landed values of imports were at a price significantly higher than the non-injurious selling price for the domestic industry for the corresponding period. Therefore, the landed values in the post investigation period were noted to be un-likely to cause any injury to the domestic industry. In fact, the injury margin for the post POI was consistently negative.

iv. **Export prices of subject goods from Subject countries to third countries:** It has been argued by the domestic industry that the subject countries are selling the subject goods to third countries at a price lower than the export price to India. Therefore, in the event of revocation of the anti-dumping duties, there is likelihood of the subject countries diverting their exports to India resulting in injury to the domestic industry. In this regard, the authority has undertaken a month wise analysis of the landed values of exports to third countries from the subject countries, vis-à-vis, NSR and the NIP of the domestic industry. It is noted that while the landed value of exports from third countries, as compared to the NSR of the domestic industry was lower. However, this was higher than the NIP of the domestic industry. This further suggest that even assuming that some of the exports from the subject countries are diverted to India, consequent to the withdrawal of the duty, they are unlikely to cause a material injury to the domestic industry.

### **CAUSAL LINK**

80. Submissions made by the interested parties in respect of the issue of causal link have been examined. A detailed examination was made with regards to the issues pertaining to the injury to the domestic industry and causal link between the material injury to the domestic industry and dumped imports. Paragraph (v) of Annexure II of the Anti-dumping Rules reads as under:

*"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs (ii) and (iv) above, causing injury to the domestic industry. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of relevant evidence before the designated authority. The designated authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry."*

### **Contraction in demand**

81. The Authority notes that the demand for the subject goods has increased during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

### **Changes in the pattern of consumption**

82. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change, nor there is any quantified allegation in this regard. The investigation so

far has not shown existence of alternate competing products and possible injury being caused by such alternate products.

#### **Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers**

83. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from Chinese Taipei and USA compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

#### **Developments in Technology**

84. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

#### **Export performance**

85. The Domestic Industry does not have any export sales. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

#### **Productivity of the Domestic Industry**

86. There is no material change in productivity of the domestic industry. Productivity of the domestic industry in terms of labour output and daily output has shown a growth during the POI compared to the base year. It is also noted that productivity has shown a growth during the entire injury period along with growth in production and sales.

### **CONCLUSIONS**

87. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes:

- i. Though there are continued imports of the product under consideration at dumped prices from the subject countries during the period of investigation in this midterm review, there doesn't appear to be any adverse impact on the domestic industry during the POI and the post POI period.

- ii. Though imports of subject goods from subject countries are undercutting the prices of the domestic industry during the POI, the adverse impact of the same on the volume, prices and profitability of the domestic industry is absent. Further, a month wise analysis of the cost of production, net sales realization and the profitability of the domestic industry during the POI and post POI period reveals that during the said periods, the domestic industry have consistently made profits on the sales of the subject goods. Further, the net sales realization of the domestic industry was noted to be significantly higher than the Non injurious price of the domestic industry for the corresponding months during the same periods. Therefore, no evidence of price suppression and or depression has been noted during the POI and Post POI period.
- iii. With regard to determination of lasting nature of the price effect and its impact on the domestic industry during the POI and post POI for determination of likely hood of continuation or recurrence of injury, a month wise analysis of the landed values of exports to third countries from the subject countries, vis-à-vis, NSR and the NIP of the domestic industry indicated that the landed value of exports of subject goods from subject countries to third countries, was generally higher than the Non injurious price determined for the domestic industry. Further, the landed value of the exports from subject countries to third countries were noted to be at a price significantly lower than the net selling price of the domestic industry for the corresponding periods. This further suggests that even assuming that some of the exports from the subject countries are diverted to India, consequent to the withdrawal of the duty, they are unlikely to cause a material injury to the domestic industry.

### **RECOMMENDATIONS**

88. Having concluded as above, the Authority is of the opinion that there is no need for the continued imposition of anti-dumping duties on Phenol originating in and exported from Chinese Taipei and USA and the same is required to be withdrawn.

89. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority